✦ वर्ष-02 ✦ अंक-05 ✦ दिसंबर -2024 ✦ रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित ✦ पृष्ठ-32 ✦ मूल्य-10

मासिक पत्रिका

RNI-CHHHIN/2023/88003

प्रदेश रौनक

Pradeshraunak.com

राष्ट्र निर्माण के 'अटल' आदर्श की शताब्दी मोदी

सुशासन का 1 साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल

छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप मनाया जाएगा: विष्णु देव साय

कृषक उन्नति योजना से गंगाराम के जीवन और खेती में आया बदलाव

रायपुर। किसानों को भारत की आत्मा और अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है। जब उनके खेत लहलहाते हैं, तो देश की समृद्धि अपने चरम पर होती है। छत्तीसगढ़ की सरकार किसानों की इस ताकत को पहचानते हुए उनकी उन्नति और सशक्तिकरण के लिए सतत् कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में लागू कृषक उन्नति योजना न केवल किसानों के जीवन को बदल रही है, बल्कि उनकी मेहनत को सम्मान और सही मूल्य भी दे रही है। कवर्धा जिले के मोटियारी गांव के किसान गंगाराम पटेल इस योजना के लाभार्थियों में से एक हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत मिले एक लाख रुपये के बोनस ने उनके रुके हुए काम पूरे करने में मदद की। इस राशि से उन्होंने अपना अधूरा घर पूरा किया, जो अब बनकर तैयार है। इसके साथ ही, उनके बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाई कराने की उनकी चिंता भी खत्म हो गई। गंगाराम बताते है कि उनके पास 7 एकड़ जमीन है, जिसमें से 5 एकड़ में वे धान की खेती करते हैं। पिछले साल उन्होंने 118 क्विंटल धान बेचा था, जिसका समर्थन मूल्य उन्हें तुरंत उनके खाते में प्राप्त हो गया। वहीं कृषक उन्नति योजना के तहत एक लाख रुपये एक मुश्त मिलने से उसका सही उपयोग कर पाए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विंटल तय किए जाने से खेती अब लाभकारी हो गई है। इसके अलावा, धान खरीदी केंद्रों पर बेहतर सुविधाएं और टोकन प्रक्रिया की सरलता ने किसानों का समय और मेहनत बचाई है। गंगाराम ने कहा कि कृषक उन्नति योजना से मिली राशि का उपयोग वे खेती के लिए आधुनिक उपकरण खरीदने और उत्पादन बढ़ाने में के रहे है। उन्होंने मुख्यमंत्री साय और राज्य सरकार को किसानों के हित में उठाए गए कदमों के लिए धन्यवाद दिया। छत्तीसगढ़ सरकार के ये प्रयास यह साबित करते हैं कि जब योजनाएं और नीतियां सही दिशा में होती हैं, तो किसानों की उन्नति और समृद्धि सुनिश्चित होती है।

मासिक पत्रिका
प्रदेश रौनक
RNI-CHHHIN/2023/88003

दिसंबर-2024 (मासिक)
● वर्ष-02 ● अंक-05
● पृष्ठ-32
रायपुर (छत्तीसगढ़)
से प्रकाशित
मूल्य 10/-
संपादक
तुली मजूमदार
छायाकार
अमित राय
विशेष संवाददाता
रविशंकर पाण्डेय
ले-आउट
देवांशु-7067255727

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक **सुजाता सोम** द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक,रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन नं. 492001 से मुद्रित कर बाबा किराना स्टोर्स के पास,कालीनगर पंडरी,रायपुर पिन नं. 492004 (छत्तीसगढ़)से प्रकाशित
* संपादक -**तुली मजूमदार**
* पी.आर.बी.एक्ट के तहत समस्त समाचार/लेखों के चयन के लिए जिम्मेदार
Email-pradeshraunak@gmail.com
मोबाइल नं.-9669576496
*(सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र रायपुर होगा)

4

डबल इंजन की सरकार में मिल रहा डबल फायदा : जेपी नड्डा

4

विकास की यशोगाथा बनेगा बस्तर ओलंपिक : अमित शाह

5

हथियार छोड़ मुख्यधारा में शामिल हुए लोगों से मुलाकात की

इतिहास में वही याद रखे जाते हैं, जो कठिन परिस्थिति में अपने लोगों के साथ खड़े होते हैं : मुख्यमंत्री साय- पेज-7

8

डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा सचिवालय की 3 पुस्तकों का विमोचन किया

12

आदिवासी समुदाय सीएम विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हो रहा खुशहाल...

भ्रष्टाचार रोकने साय सरकार की एक और पहल

भ्रष्टाचार न करने वाली सरकार पुरानी सरकार के भ्रष्टाचार से सबक लेती है और ऐसी व्यवस्था करती है कि पुरानी सरकार में जिस तरह से भ्रष्टाचार हो रहा था कम से कम उस तरह से भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश न रहे।कोई उस तरह से इस सरकार में भ्रष्टाचार न कर सके।जब सरकार सोच लेती है कि पहले जिस तरह का भ्रष्टाचार होता था, उस तरह का भ्रष्टाचार होने ही नहीं देना है तो वह उसे रोकने का उपाय भी कर लेती है।पिछली सरकार के समय डुप्लीकेट होलोग्राम बनवाकर कई हजार करोड़ का शराब घोटाला किया गया था।पिछली सरकार भी चाहती तो डुप्लीकेट होलोग्राम बनवाकर शराब घोटाले पर रोक लगा सकती थी। लेकिन उनकी तो योजना ही दूसरी थी।वह तो चाहती नहीं थी कि शराब घोटाले करने वालों को किसी तरह की परेशानी हो।वह घोटाला करें,खूब पैसा बटोरे और जिन लोगों तक पहुंचाना है, पहुंचा दें।

साय सरकार ने डुप्लीकेट होलोग्राम से हजारों करोड़ों का शराब घोटाले से सबक लिया है और पहले तो यह विभाग सीएम ने अपने पास रखा ताकि कोई दूसरा पैसे के लालच में कहीं बेईमान हो जाए और सरकार की बदनामी हो, पिछली सरकार और साय सरकार में कोई फर्क न रह जाए।साय सरकार की पूरी कोशिश है कि पिछली सरकार की तुलना में उनकी सरकार सौ फीसदी ईमानदार दिखनी चाहिए। इसलिए वह पिछली सरकार में हुई गलतियों से सबक ले रहे हैं और ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं कि कहीं कोई भ्रष्टाचार न कर सके। इसके लिए पहले उन्होंने शराब नीति ही बदल दी जिसमें भ्रष्टाचार की पूरी गुंजाइश थी।राज्य के लिए नई शराब नीति बनाकर साय सरकार ने बता दिया कि वह पिछली सरकार की तरह भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली नहीं है,वह भ्रष्टाचार को समाप्त करने वाली है। शराब नीति के जरिए ईमानदारी की राह पर चलने का जो संदेश साय सरकार ने जनता को दिया था, वह उसी पर आज भी आगे बढ़ रही है।जनता को कदम कदम पर एहसास दिला रही है कि वह भ्रष्टाचार के मामले में पिछली सरकार से अलग है और भविष्य में भी अलग ही रहेगी। इसके लिए वह निरंतर प्रयास कर रही है पिछली सरकार के समय हुए शराब घोटाले की जांच एसीबी व केंद्रीय जांच एजेंसियां कर रही हैं। उनका आरोप है कि पिछली सरकार के समय दूसरे प्रदेश में डुप्लीकेट होलोग्राम बनवाकर शराब घोटाला किया गया।ऐसा घोटाला कोई साय सरकार के समय न कर सके इसके लिए साय सरकार ने ऐसी व्यवस्था की है। साय सरकार ने नासिक में नोट छापने वाली सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड से राज्य में शराब बेचने के लिए होलोग्राम बनवाए हैं। इस कंपनी से प्रदेश को अब तक दो करोड़ होलोग्राम मिल चुके हैं।नासिक में छपे होलोग्राम में सुरक्षा के लिए यानी कोई उसकी नकल न कर सके इसके लिए अल्ट्रा वायलेट इंक का प्रयोग किया गया है।

बताया जाता है कि यह पहली बार है जब आरबीआई से जुड़ी संस्था ने राज्य में शराब बिक्री के लिए होलोग्राम की प्रिंटिंग की है। यह पिछली सरकार के समय के होलोग्राम से ९ रुपए महंगा है लेकिन सरकार पैसे भले खर्च हो, भ्रष्टाचार को लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। होलोग्राम की जरूरत क्यों होती है तो बताया जाता है कि इसके जरिए सरकार को राजस्व मिलता है।इसका रिकार्ड रखा जाता है।बोतल पर होलोग्राम लगे रहने का मतलब होता है कि एक्साइज ड्यूटी दी जा चुकी है।सबको मालूम है कि शराब से सरकार को बड़ी आय होती है तथा इस आय को बढ़ाया जा सकता है।तीन सरकार के समय की आय से इसकी पुष्टि होती है कि हर सरकार के समय शराब से होने वाली आय बढ़ी है।भूपेश बघेल सरकार के समय छह हजार करोड़ रुपए की आय हुई थी। साय सरकार ने ११ हजार करोड़ आय का लक्ष्य तय किया है।कोई भी नई सरकार आती है तो चुनावी वादों के कारण उसका खर्च बढ़ जाता है,बजट बढ़ जाता है, इसके लिए जरूरी हो जाता है कि वह आय भी बढ़ाए। आय बढ़ाने पर सरकार को बढ़े हुए खर्च के लिए कर्ज नहीं लेना पड़ता है।पिछली सरकार ने आय नहीं बढ़ाई इसलिए उस कर्ज लेना पड़ा था जिसका भार आज की सरकार को उठाना पड़ रहा है।पिछली सरकार गर्व से कहती थी उसने जनता की जेब में १.७५ लाख करोड़ रुपए डाले हैं लेकिन यह नहीं बताती थी कि उसने हर व्यक्ति के सिर पर कितने कर्ज का बोझ डाला है।जनता इस बात को समझती है कि कोई भी सरकार मुफ्त में कुछ नहीं देती है, वह जनता के पैसे से जनता को मुफ्त देने का नाटक करती है, जनता की एक जेब से ज्यादा पैसा निकालती है और दूसरी जेब में कम पैसा डालती है। ऐसी होशियार सरकार को जनता पांच साल ही सहन करती है। चुनाव में बदल देती है।

डबल इंजन की सरकार में मिल रहा डबल फायदा : जेपी नड्डा

छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष को मनाया जाएगा अटल निर्माण वर्ष के रूप में

जो रामराज्य के मूल्य हैं, वहीं हमारे लिए सुशासन के मूल्य मुख्यमंत्री

1124 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण और शिलान्यास

रायपुर (प्रदेश रौनक)

देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की नेतृत्व वाली सरकार जनता की सेवा के लिए तत्पर होकर काम कर रही है। इसी का परिणाम है कि पूरे देश और प्रदेश में उत्तरोत्तर विकास हो रहा है। डबल इंजन की सरकार होने की वजह से लोगों को डबल लाभ हो रहा है। आज भारत विश्व की पांचवी बड़ी आर्थिक शक्ति है। अगले पांच सालों में हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेंगे। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने आज रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित जनादेश परब कार्यक्रम में लोगों को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कार्यक्रम में 1124 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने जनादेश परब में छत्तीसगढ़ सरकार के एक साल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार स्वप्रेरणा से लोकहित में पूरी जवाबदेही के साथ काम कर रही है। सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के 18 लाख से अधिक जरूरतमंदों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी गई। मोदी की गारंटी के अनुरूप यहां किसानों से 3100 प्रति क्विंटल में धान खरीदी की जा रही है। किसानों को उनके हक का 3716 करोड़ रूपए धान के बकाया दो साल के बोनस का भुगतान भी किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जनादेश परब में घोषणा की कि अब से हर साल 3 दिसंबर से 13 दिसंबर तक 'जनादेश परब' के रूप में मनाया जाएगा। आने वाले वर्ष में छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। राज्य निर्माता भारत रत्न अटलजी का यह शताब्दी वर्ष भी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष को 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की। श्री साय ने कहा कि अटलजी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश में सड़कों का जाल बिछाया। उसी से प्रेरणा लेकर हम अपने रजत जयंती वर्ष में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता में रखेंगे। उसके बाद के तीन वर्षों में भी हम अलग-अलग थीम पर काम करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जनादेश परब को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले साल किसान भाइयों के खाते में आपकी डबल इंजिन की सरकार ने 49 हजार करोड़ रुपए डाले हैं। हमने अपने शुरूआती तीन महीनों में ही प्राथमिकता के साथ महतारी वंदन योजना का लाभ प्रदेश की माताओं-बहनों को देना आरंभ किया। 70 लाख माताओं-बहनों के खाते में महतारी वंदन योजना की अब तक 10 किश्तों में 6,530 करोड़ रुपए की राशि भेजी जा चुकी है। पहली तारीख को हम यह राशि भेज देते हैं और जैसे ही माताओं-बहनों के खाते में राशि आती है उनका चेहरा गर्व से खिल जाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जो रामराज्य के मूल्य हैं, वहीं हमारे लिए सुशासन के मूल्य हैं। हमने प्रशासन के हर स्तर पर सुशासन को सुनिश्चित किया है। हमने सुशासन के मूल्यों को सिस्टम में शामिल करने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया।

विकास की यशोगाथा बनेगा बस्तर ओलंपिक : अमित शाह

जगलपुर (प्रदेश रौनक)

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने आज बस्तर जिले के जगदलपुर में आयोजित बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि बस्तर ओलंपिक आने वाले दिनों में बस्तर के विकास की यशोगाथा बनेगा और शांति, सुरक्षा, विकास और नई उम्मीद की नींव डालने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि हम देश से नक्सलवाद को पूर्ण रूप से 31 मार्च 2026 तक समाप्त करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर से नक्सलवाद समाप्त होने पर यहां कश्मीर से ज्यादा पर्यटक आएंगे। मां दंतेश्वरी की कृपा से बस्तर को प्रकृति के अनुपम सौंदर्य का वरदान मिला है। हम यहां पर पर्यटन को आगे बढ़ाएंगे। हम यहां पर छोटे-छोटे उद्योगों को आगे बढ़ाकर रोजगार के अवसरों का सृजन करेंगे। उन्होंने बस्तर के युवाओं से कहा कि हार मानने वाला कभी नहीं जीतता। जीतता वह है जो कभी हार नहीं मानता। बस्तर के अंदर अनेक संभावनाएं हैं। यहां जो 3000 बच्चे मेरे सामने बैठे हैं उसमें से कोई बच्चा अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक में गोल्ड मेडल लेकर आएगा तो पूरा भारत इस पर गर्व करेगा। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ हमने दोनों मोर्चे पर काम किया है। एक ओर वह नक्सली जो सरेंडर नहीं हुए और जो हिंसा करते थे उनके खिलाफ सुरक्षा बलों को खड़ा करके उनको मार गिराने का काम किया। जो सरेंडर हुए उनको बसाने का काम किया और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में जो विकास से पिछड़ गए थे, उनको विकसित करने का अभियान भी चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों के आशीर्वाद से राज्य में डबल इंजन की सरकार बनी और नक्सलवाद के खिलाफ हमारा अभियान तेज हुआ और नक्सल उन्मूलन की दिशा में हमें लगातार सफलता मिल रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बस्तरवासियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सभी ने पूरे उत्साह के साथ बस्तर ओलंपिक में भाग लेकर इसे ऐतिहासिक रूप से सफल बनाया है। इस आयोजन में 1 लाख 65 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के लिए प्रबंधन करना एक चुनौती थी, बस्तर संभाग के सातों जिलों की पूरी टीम ने इसे बखूबी पूरा किया, इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूँ।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुझे यह

बस्तर ओलंपिक का आयोजन केवल खेल नहीं, बल्कि बस्तर की संस्कृति, उत्साह, और प्रतिभा का उत्सवः मुख्यमंत्री

कहते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि बस्तर ओलम्पिक के माध्यम से हम सभी बस्तर अंचल के युवाओं की ऊर्जा को खेल के माध्यम से एक सकारात्मक दिशा देने में सफल रहे हैं। बस्तर ओलंपिक का यह आयोजन केवल खेल नहीं है, बल्कि बस्तर की संस्कृति, उत्साह, और प्रतिभा का उत्सव है। यह आयोजन एक संदेश देता है कि बस्तर का असली चेहरा इसकी सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता है, न कि माओवाद की हिंसा। इस आयोजन के माध्यम से हमने युवाओं को शासन-प्रशासन से जोड़कर विकास के कार्यों में सहभागी बनने की ओर उन्मुख किया है। आज जब लाखों युवा इस ओलंपिक में भाग लेते हैं और अपनी ऊर्जा को खेलों में लगाते हैं, तो यह हमारे लिए एक सुखद संकेत है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलम्पिक का सफल आयोजन हमें विश्वास दिलाता है कि बस्तर के युवाओं की क्षमता और उनकी शक्ति को अगर सही दिशा में प्रेरित किया जाए, तो विकास और खुशहाली का रास्ता कोई नही रोक सकता है।

ओलंपिक में शामिल खिलाड़ियों ने यह संदेश भी दिया कि बस्तर में बदलाव की बयार चल पड़ी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से हमने न केवल बस्तर के युवाओं की छुपी प्रतिभा को देखा, बल्कि उन आत्मसमर्पित भाइयों और बहनों की प्रतिभा को भी देखा, जिन्होंने हिंसा की माओवादी विचारधारा को छोड़कर मुख्यधारा में वापसी की। नक्सलवाद का समाधान केवल पुलिस कार्रवाई से नहीं, बल्कि शिक्षा, खेल, रोजगार और सकारात्मक अवसर प्रदान करने से होगा और बस्तर ओलंपिक इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। आज आपके चेहरों पर जो मुस्कान है, वह एक खुशहाल और शांतिपूर्ण बस्तर का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि माओवादी हिंसा से प्रभावित दिव्यांगजनों ने भी इन खेलों में हिस्सा लिया। उनकी हिम्मत और जज्बा ने दिखा दिया है कि बस्तर के लोग कभी हार नहीं मानते। बस्तर ने लम्बे समय से माओवाद के दंश को झेला है। लेकिन आज, बस्तर शांति और विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह उपलब्धि हमारे केंद्रीय गृह मंत्री जी के सतत मार्गदर्शन और हर संभव सहयोग के कारण संभव हो पाई है। उनके बेहतर अंतरराज्यीय समन्वय और निरंतर प्रोत्साहन से हम माओवाद को जड़ से समाप्त करने की ओर अग्रसर हैं। बस्तर ओलंपिक में बच्चों-युवाओं ने उत्साह से हिस्सा लिया, और बुजुर्गों ने भी इन खेलों का आनंद लेकर अपने बचपन और स्कूली जीवन की यादें ताजा कीं।

हथियार छोड़ मुख्यधारा में शामिल हुए लोगों से मुलाकात की

मोदी जी ने नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 हज़ार से अधिक आवासों को बनाने को मंज़ूरी दी

नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में हर परिवार को एक गाय या भैंस देकर डेयरी कोऑपरेटिव बनाने की शुरूआत भी की जा रही है

हिंसा में लिप्त लोगों को मारना रास्ता नहीं है, बल्कि जिन लोगों ने हथियार उठा रखे हैं, उन्हें मेनस्ट्रीम में वापिस लाना है

जब बस्तर की एक बच्ची ओलंपिक में पदक जीतेगी, वो पूरी दुनिया को संदेश जाएगा कि हिंसा रास्ता नहीं है बल्कि विकास रास्ता है

गृह मंत्री ने हिंसा में लिप्त युवाओं से हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की

रायपुर (प्रदेश रौनक)

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और असम के उन लोगों से मुलाकात की जो हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुलाकात के बाद अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि 2019 में कश्मीर, उत्तरपूर्व और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में देश के युवा हथियार लेकर अपना जीवन बर्बाद कर रहे थे, हिंसा कर रहे थे और पूरे क्षेत्र को विकास से दूर रखते थे। उन्होंने कहा कि उस वक्त प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में ये तय किया गया था कि जो लोग हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें ये मौका दिया जाए। श्री शाह ने कहा कि 2019 से 2024 तक सिर्फ नॉर्थईस्ट में ही 9000 से अधिक लोगों ने हथियार छोड़कर सरेंडर किया है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में भी कई युवाओं ने सरेंडर किया है और अब भारत सरकार ऐसे लोगों और नक्सलवाद से पीड़ित लोगों के कल्याण के लिए समग्र योजना बना रही है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 हज़ार मकान बनाने को मंज़ूरी दी है। इसके साथ ही, नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में हर परिवार को एक गाय या भैंस देकर डेयरी कोऑपरेटिव बनाने की शुरूआत भी की जा रही है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद नक्सलवाद मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प लिया गया था। उन्होंने कहा कि हिंसा रास्ता नहीं है, बल्कि जिन लोगों ने हथियार उठा रखे हैं, उन्हें मेनस्ट्रीम में वापिस लाना है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने सबसे अच्छी सरेंडर पॉलिसी बनाई है और इसे पूरे देश में रेप्लिकेट करके हथियार छोड़ने वाले युवाओं को समाज में पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। श्री अमित शाह ने हिंसा में लिप्त युवाओं से अपील की कि वे हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में आ जाएं।

इतिहास में वही याद रखे जाते हैं, जो कठिन परिस्थिति में अपने लोगों के साथ खड़े होते हैं : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (प्रदेश रौनक)

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह की 167 वी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि इतिहास में वही याद रखे जाते हैं, जो कठिन परिस्थिति में अपने लोगों के साथ खड़े होते है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि शहीद वीरनारायण सिंह ने भूख के खिलाफ जो संघर्ष छेड़ा, उसे छत्तीसगढ़ सरकार ने जारी रखा है। देश को खाद्य सुरक्षा का सबसे बढ़िया माडल छत्तीसगढ़ ने दिया। हमने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी भूखे पेट न सोये। छत्तीसगढ़ में हमने धान खरीदी का एक व्यवस्थित माडल तैयार किया, जिसकी देश भर में प्रशंसा हुई। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को छत्तीसगढ़ में आगामी पांच सालों के लिए लागू कर राज्य के 68 लाख परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न दे रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उक्त बातें आज बालोद जिले के राजाराव पठार करेंझर में आयोजित आदिवासी समाज के विराट वीर मेला में विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने इससे पूर्व शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया और जनजातीय समुदाय के देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की जनता की समृद्धि और खुशहाली की कामना की।मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर मुख्य मार्ग से राजा राव बाबा स्थल तक पहुंचने हेतु पहुंच मार्ग एवं आवश्यकतानुसार पुल-पुलिया निर्माण की स्वीकृति दी। मेला स्थल पर पेयजल व्यवस्था हेतु 20 लाख रूपये और महिला सदन निर्माण के लिए 30 लाख रूपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने नवा रायपुर के इंटरनेशन क्रिकेट स्टेडियम में शहीद वीर नारायणसिंह की भव्य प्रतिमा स्थापित करने की भी बात कही। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री जीआर राणा द्वारा लिखित ''नेक भारत-श्रेष्ठ भारत'' पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि हमने 25 दिसम्बर 2023 को सुशासन दिवस के अवसर पर 13 लाख किसानों को दो साल के बकाया धान की बोनस राशि 3716 करोड़ रुपए दिये। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी हम 3100 रुपए क्विंटल की दर से कर रहे है, जो देश में सर्वाधिक है। पिछले सीजन में हमने 145 लाख मीट्रिक टन की रिकार्ड धान खरीदी की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे 6 हजार 691 जनजातीय गांवों का समग्र विकास होगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए हम छत्तीसगढ़ को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लिए संकल्पित हैं और इसका विजन भी तैयार कर लिया है। इस अवसर पर कांकेर विधायक श्री आशा राम नेताम, विधायक संजारी बालोद श्रीमती संगीता सिन्हा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अरविंद नेताम, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग श्री नंदकुमार साय, पूर्व राज्य अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग श्री जीआर राणा, पूर्व विधायक श्री विधायक श्री प्रीतम साहू, जनप्रतिनिधि श्री राकेश यादव, श्री पवन साहू एवं समाज के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नवा रायपुर के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में लगेगी शहीद वीर नारायण सिंह की भव्य प्रतिमा

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए पीएम जनमन योजना आरंभ की है, इससे पहली बार इनकी बस्तियों में अच्छी सड़कें, शुद्ध पेयजल, शिक्षा, चिकित्सा और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित हुई हैं। साथ ही धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से

जनजातीय समाज के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

रायपुर (प्रदेश रौनक)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषक सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी समिति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। आदिवासी समाज को आगे बढ़ने के लिए सभी संसाधन उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के शपथ ग्रहण समारोह में शपथ ले रहे सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज एक समृद्ध संगठन है। इस संगठन के सभी सदस्यों का लंबा अनुभव रहा है। मुझे विश्वास है कि आदिवासी समाज के प्रतिनिधि के रूप में वे अपनी जिम्मेदारी को बहुत कुशलता से निभाएंगे । मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज जनजातीय समाज के विकास के लिए बहुत अच्छा वातावरण है। छत्तीसगढ़ सरकार के साथ-साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। दोनों सरकारें जनजातीय समाज की चिंता करती हैं। आज हम पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी को याद करते हैं जिन्होंने आदिवासियों के उत्थान के लिए छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। जब मैं सांसद था तब उन्होंने आदिम जाति कल्याण मंत्रालय का गठन किया था। आज भारत के राष्ट्रपति पद पर आदिवासी समाज की महिला सुशोभित हैं और छत्तीसगढ़ में भी आदिवासी का बेटा मुख्यमंत्री है। यह बहुत गौरव की बात है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जनजातीय समाज के विकास के लिए लगातार काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत विगत 2 अक्टूबर को की है। इस अभियान का लाभ 5 करोड़ जनजातीय लोगों को मिलेगा। इसमें छत्तीसगढ़ के कई गांव शामिल हैं। इन गांवों में सड़क, बिजली और पानी सहित सभी बुनियादी सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजातियां हैं जिनके विकास के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के तहत इन समूहों के लिए बुनियादी सुविधाएं और सेवाएं पहुंचाई जाती हैं। आज जहां-जहां विशेष पिछड़ी जनजातियों की बसाहट है वहां सड़क, बिजली, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित सभी सुविधाएं मिल रही हैं। छत्तीसगढ़ में अब नई शिक्षा नीति भी लागू है। यह नीति रोजगारपरक है। इससे हमारे बच्चे पढ़कर रोजगार पाने के लिए सक्षम होंगे। आदिवासी बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिले इसलिए छत्तीसगढ़ में प्रयास संस्था बहुत अच्छा काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने देश की राजधानी नई दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी कर रहे आदिवासी समाज के बच्चों के लिए ट्राइबल यूथ होस्टल की सीटों को बढ़ाकर 200 कर दिया है। हम राजधानी रायपुर की तरह पूरे प्रदेश में नालंदा परिसर बनाने जा रहे हैं। प्रदेश के 22 जिलों में नालंदा परिसर बनाने की स्वीकृति दे दी गई है। इससे छत्तीसगढ़ के सभी इलाकों के बच्चे अपने जिले में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर पाएंगे। जनजातीय समाज की बेहतरी के लिए सरगुजा विकास प्राधिकरण और बस्तर विकास प्राधिकरण कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हो रहा है। आज किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल के मान से धान खरीदी की जा रही है। महतारी वंदन योजना में 1000 रुपये माताओं-बहनों को दिया जा रहा है। एक साल में सरकार ने अनेक योजनाओं के माध्यम से लोगों के कल्याण के लिए कार्य किया है। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के साथ समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज का संगठन समाज के शोषित पीडितों की मदद के लिए उनकी आवाज बनकर शासन-प्रशासन तक बात पहुंचाएगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के प्रांताध्यक्ष श्री शिशुपाल सोरी, विधायक दुर्ग ग्रामीण श्री ललित चन्द्राकर, श्री बी एल ठाकुर, श्री बीपीएस नेताम, श्री एम आर ठाकुर, श्री फूल सिंह

मोदी से सपरिवार मिले बृजमोहन

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने परिवार के साथ नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस सौजन्य मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने अग्रवाल परिवार के सदस्यों से उनके हालचाल पूछे और बच्चों को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया।भेंट के बाद बृजमोहन अग्रवाल ने इस मुलाकात को एक प्रेरणादायक अनुभव बताया। उन्होंने कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सादगीपूर्ण और दूरदर्शी व्यक्तित्व से हमें नई ऊर्जा और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। यह हमारे परिवार के लिए एक अविस्मरणीय क्षण है। इस मुलाकात में प्रधानमंत्री की सहजता और अपनापन परिवार के हर सदस्य के लिए विशेष अनुभव रहा। बच्चों को मोदी जी के साथ बिताया समय खासा प्रिय लगा, और परिवार ने इसे अपनी स्मृतियों में सहेजने वाला पल बताया।

डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा सचिवालय की 3 पुस्तकों का विमोचन किया

रायपुर. छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर विधानसभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित तीन किताबों का गुरुवार को विमोचन किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने विधानसभा परिसर स्थित अध्यक्ष के कक्ष में षष्ठम विधानसभा के सदस्यों की परिचयात्मक जानकारियों पर केन्द्रित प्रकाशन ''सदस्य परिचय षष्ठम विधानसभा'', ''छत्तीसगढ़ विधानसभा एक परिचय'' एवं विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के अध्यक्षीय कार्यकाल के ''प्रथम वर्ष'' का विमोचन किया गया। इस अवसर पर संसदीय कार्यमंत्री केदार कश्यप, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय, पूर्व विधानसभा धरमलाल कौशिक, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, विधायकगण एवं विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा भी उपस्थित थे ।

छत्तीसगढ़ राज्य तैयार कर रहा है ईको-रेस्टोरेशन पॉलिसी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य में ईको-रेस्टोरेशन पॉलिसी तैयार की जा रही है। केरल के बाद, यह छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य है जो यह पॉलिसी तैयार कर रहा है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में राज्य को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। भारत की ग्लोबल रेस्टोरेशन इनिशिएटिव, बॉन चैलेंज और संयुक्त राष्ट्र ईको-रेस्टोरेशन दशक में भागीदारी यह स्पष्ट करती है कि एक केंद्रित ईको-रेस्टोरेशन नीति अनिवार्य है। पारंपरिक वनीकरण, जो प्रायः अत्यधिक लागत वाला होता है और गैर-स्थानीय प्रजातियों पर आधारित होता है, सीमित पारिस्थितिक लाभ प्रदान करता है। इसे ध्यान में रखते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने 2021 में अपने निर्देश के तहत एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया, जिसने ईको-रेस्टोरेशन को प्राथमिकता देने की सिफारिश की।

गुरु घासीदास बाबा के संदेश एवं विचार मार्गदर्शक व प्रेरक : डॉ. रमन सिंह

राजनांदगांव. विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज पेण्ड्री वार्ड क्रमांक 20 में आयोजित गुरू घासीदास बाबा जयंती एवं नवनिर्मित सतनाम मंगल भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष ने 37 लाख 85 हजार रूपए की लागत से नवनिर्मित सतनाम मंगल भवन का लोकार्पण किया और उन्होंने भवन का अवलोकन किया। विधानसभा अध्यक्ष ने नवनिर्मित सतनाम मंगल भवन में मंच निर्माण एवं किचन शेड के लिए 10 लाख रूपए देने की घोषणा की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सभी को गुरू घासीदास जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सतनामी समाज शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है।

बस्तर के तोकापाल की सुश्री बबीता नाग ने मुख्यमंत्री को बांधा निरामय सूत्र

रायपुर.एम्स रायपुर के आडिटोरियम में आज निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम अंतर्गत

100 दिनों तक टीबी, मलेरिया एवं कुष्ठ रोगियों की पहचान की जाएगी तथा उनका उपचार किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत ऐसे लोगों का भी सम्मान किया गया जिन्होंने टीबी और कुष्ठ जैसी बीमारियों से लड़ाई लड़ी और आज स्वस्थ जीवन का आनंद उठा रहे हैं। इन्हीं मे से एक हैं बस्तर के तोकापाल की रहने वाली बबीता नाग जो कुछ समय पहले तक टीबी के रोग से पीड़ित थीं। इन्होंने सरकारी अस्पताल में अपनी जांच करायी और शासन की योजनाओं का लाभ लेते हुए समय पर दवाइयों और पोषण आहार का सेवन किया। इसकी वजह से बबीता आज पूरी तरह स्वस्थ हैं। बबीता ने अपने स्वस्थ होने का श्रेय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को दिया है जिनकी पहल की वजह से वो टीबी जैसी बीमारी के प्रति जागरूक हो सकीं और समय पर अपना इलाज कराया।

सैनिकों के शौर्य और बलिदानों के कारण ही आज हम स्वतंत्र और सुरक्षित हैं : मुख्यमंत्री

रायपुर.मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर शहीदों और देश की सेवा में जुटे सभी सैनिकों को नमन करते

हुए कहा है कि यह दिन हमें अपने देश के उन वीर जवानों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। वीर सैनिकों के शौर्य और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र हैं और सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से देश की सेनाओं, भूतपूर्व सैनिकों और शहीदों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में अधिक से अधिक योगदान करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सशस्त्र झंडा सेना दिवस हमें याद दिलाता है कि हम अपने वीर-जवानों के परिवारों और पूर्व सैनिकों के प्रति भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आप सभी झंडा-दिवस में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाएं।

अरुण साव की पहल पर 1.26 करोड़ के कार्य स्वीकृत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में विकास और सुशासन के नए आयाम गढ़े जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री तथा लोरमी के विधायक श्री अरुण साव के विशेष प्रयासों से सरकार ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए बड़े कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता वाली छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रस्तावों पर मुहर लगाते हुए प्रदेशभर में 253 कार्यों के लिए 18 करोड़ 23 लाख 85 हजार रुपए मंजूर किए हैं। इन कार्यों से गांवों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूती मिलने के साथ ही स्थानीय जरूरतों की पूर्ति भी होगी। प्राधिकरण द्वारा जन आकांक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए सीसी सड़क निर्माण, सामुदायिक भवन, पुलिया निर्माण, मुक्तिधाम निर्माण, प्रतीक्षालय शेड निर्माण, सिंचाई कूप निर्माण, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, रंगमंच निर्माण तथा नाली निर्माण के साथ ही उन्नयन एवं मरम्मत के कार्य प्राथमिकता से स्वीकृत किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने इन कार्यों को ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर

सुधारने और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने का माध्यम बताया है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से न केवल ग्रामीणों को लाभ मिलेगा, बल्कि राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी मजबूती मिलेगी। लोरमी के लिए 1.26 करोड़ के कार्यों को मिली मंजूरी - उप मुख्यमंत्री तथा लोरमी के विधायक श्री अरुण साव क्षेत्र में स्वास्थ्य, सड़क और बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उनकी पहल पर ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा लोरमी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व एमसीएच की मरम्मत और उन्नयन के लिए 20 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। लालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए दस लाख रुपए और डोंगरीगढ़ उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए आठ लाख रुपए भी मरम्मत और उन्नयन कार्यों के लिए स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत बनाने में सहायता मिलेगी। गांवों की भीतरी सड़क अधोसंरचना को मजबूती देने के लिए भी प्राधिकरण द्वारा राशि मंजूर की गई है। सीसी रोड के निर्माण के लिए लोरमी क्षेत्र के सिलतरा (गाड़ाटोला) और डिंडौरी (चि.) में प्रत्येक में सात लाख 80 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

सुशासन का एक साल

आधी आबादी के चेहरे पर खिली मुस्कान

रायपुर. महिलाएं समाज की धुरी होती हैं, मगर इतिहास साक्षी है कि हर युग में इनका दमन और शोषण होता रहा है. इस तथ्य के साथ ही साथ इस बात के भी भरपूर प्रमाण है कि जहां पर भी महिलाएं इतनी शक्तिशाली होती हैं कि वो अपने जीवन से जुड़े सभी फैसले स्वयं ले सकें, वहां वो परिवार और समाज को भी सही दिशा दे पाती हैं. महिलाओं को उनका वास्तविक अधिकार देने वाला समाज हमेशा से विकास पाता रहा है. नारी शक्ति के मर्म को समझने वाले छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की योजनाएं भी महिला सशक्ति-करण को बल देने वाली हैं. इस आधार पर निर्विवादित रूप से ये कहा जा सकता है कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ का विकास अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय होगा. राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं के सिर्फ विकास की ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और सशक्तिकरण पर भी बहुत काम कर रही है.. छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने 2024 में महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तिकरण के लिए जो भी योजनाएं शुरू की हैं उनका उद्देश्य महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में मजबूती प्रदान करना ही रहा है.. इन योजनाओं में ऐसी भी व्यवस्था की गई है कि महिलाएं न केवल अपने परिवार बल्कि समाज को भी सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभा सके ये योजनाएं महिलाओं के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और उनकी आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने का माद्दा रखती है.

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना ने लाखों महिलाओं को आर्थिक सहायता और आत्मनिर्भरता का सहारा देकर केवल एक वित्तीय मदद नहीं की बल्कि उन महिलाओं के अधिकार, आत्मविश्वास और आत्म शक्ति को बढ़ाने का काम भी किया है.. मार्च 2024 से दिसम्बर 2024 तक लगभग 70 लाख महिलाओं के खाते में 6530.41 करोड़ रुपये की राशि पहुंचाई जा चुकी है.. महतारी वंदन योजना अब एक आंदोलन बन चुकी है ..इस योजना से लाभान्वित महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं बल्कि अपने घर-परिवार में भी बराबरी से निर्णय ले पा रही हैं.. महिला स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा देने में भी छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना कारगर साबित हो रही है..महिलाओं को हर महीने 1000 की आर्थिक सहायता देने वाली इस योजना से महिलाओं को उनके बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च करने में आसानी हो रही है. गर्भावस्था और प्रसव के बाद महिलाओं की सेहत में सुधार के लिए भी ये राशि काम आ रही हैमहिला और बच्चों में कुपोषण कम करने में भी ये योजना मददगार है.. इस योजना से लाभान्वित महिलाओं की सामाजिक स्थिति में भी सुधार देखी जा रही है.

गर्भवती महिलाओं और शिशुओं के पोषण स्तर को सुधारने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को भी छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने बड़े पैमाने पर लागू कर दी है.. इस योजना के तहत दी जाने वाली वित्तीय सहायता से महिलाओं को प्रसव से पहले और बाद में दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं में सहूलियत हो रही है..गर्भावस्था के दौरान कुपोषण की समस्या से लड़ने में सहायता मिल रही है.. इस योजना से लाभान्वित प्रत्येक महिला ने इसे एक सकारात्मक पहल माना है. महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर देने के लिए छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने महिला उद्यम क्रांति योजना की शुरुआत की जिसमें महिलाओं को 50% सब्सिडी के साथ

ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है, जिससे महिलाएं अपना छोटा व्यवसाय शुरू कर आर्थिक रूप से मज़बूत हो रही हैं.. महिलाओं के लिए ऐसा प्रयास करने वाली ये राज्य की पहली सरकार होगी. शिक्षा और लिंग समानता को बढ़ावा देने के लिए लागू की गई छत्तीसगढ़ शासन की बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ योजना.. ये योजना समाज में लिंग भेदभाव को समाप्त कर आज राज्य की बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन दे रही है .. इस योजना के चलते राज्य में बाल विवाह और भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों पर स्वमेव नियंत्रण हो गया है इस योजना की मदद से समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित की जा रही है

बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ योजना ने न केवल बालिकाओं को स्कूलों तक पहुंचने में मदद की है, बल्कि समाज में उनकी शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई है अब राज्य का हर परिवार बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित कर रहा है.

2024 में छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ड्रोन दीदी योजना की शुरुआत की इस योजना में राज्य की महिलाओं को ड्रोन तकनीक की ट्रेनिंग दी जा रही है.. ड्रोन ऑपरेशन के माध्यम से महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों के द्वार खुल रहे और यह योजना ग्रामीण महिलाओं को नई तकनीकों से जोड़ने में मददगार भी साबित हो रही है. छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 2024 में लागू की गई योजनाएं महिलाओं के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं.. ये योजनाएं न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं, बल्कि उन्हें समाज में एक सम्मान-जनक स्थान भी दिला रही हैं.. हालांकि, इन योजनाओं के कार्यान्वयन राज्य सरकार को कई तरह की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है.. कई महिलाएं शासकीय योजनाओं के बारे में पूरी तरह से जागरूक नहीं हैं, जिसके कारण वे इसका लाभ नहीं उठा पा रही हैं कभी-कभी ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को योजना का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज जुटाने में परेशानी होती हैइन समस्याओं से निपटने के लिए भी विष्णु देव साय सरकार चुस्त व्यवस्था बना रही है.

कामकाजी महिलाओं की मजबूरियों को समझने वाली संवेदनशील विष्णुदेव साय सरकार ने छत्तीसगढ़ के 31 जिलों में 201 पालना केंद्रों की स्थापना की है.. इन केंद्रों की स्थापना से कामकाजी महिलाओं को अपने बच्चों की देखभाल में मदद मिल रही है और वे अपने काम में अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं.. ये केंद्र केवल सुविधा नहीं, बल्कि हर बच्चे के अधिकार की भी रक्षा है जिसमें उसे सही देखभाल मिलनी चाहिए..विष्णुदेव साय सरकार ने बालकों के भविष्य को मजबूत करने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों के उन्नयन की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं. छत्तीसगढ़ के बच्चों को पोषण, शिक्षा और समुचित देखभाल देने के लिए 4750 आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बना कर राज्य की साय सरकार ने कामकाजी महिलाओं को बहुत राहत देने का काम किया है मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में आंगनबाड़ी अधोसंरचना से संबंधित पोर्टल तैयार किया गया है.. इस पोर्टल के बन जाने से आंगनबाड़ी केन्द्रों की अधोसंर-चना संबंधी सभी जानकारी जैसे बिजली, पेयजल, शौचालय, निर्माण संबंधी नियोजन, कार्य की प्रगति का अनुश्रवण आदि मुख्य आधारभूत जानकारी राज्य स्तर पर एक क्लिक पर उपलब्ध है. जुलाई 24 से साय सरकार ने महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महिला हेल्पलाइन (181) का संचालन आरम्भ किया है छत्तीसगढ़ के हर जिले में वन स्टॉप सेंटर का विस्तार भी महिलाओं को मजबूती और सुरक्षा देने का काम कर रहा है.. ये सुरक्षा केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि समाज में विश्वास और साहस का भी प्रतीक बना हुआ है. भारत सरकार की मिशन शक्ति योजना के तहत राज्य महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) की स्थापना की गई है, जो महिलाओं के लिए समर्पित योजनाओं में प्रभावी समन्वय और कार्यान्वयन को सुनिश्चित करती है मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत, अब 50 हजार रुपये में से 35 हजार रुपये सीधे वधु के खाते में भेजे जाते हैं और शेष 15 हजार रुपये सामूहिक विवाह आयोजन पर खर्च होते हैं.. इस साल अब तक 6543 कन्या विवाह सफलता-पूर्वक सम्पन्न हो चुके हैं.. वहीं, पी.एम. जनमन योजना के तहत 17 जिलों में 48 हजार पिछड़ी जनजाति परिवारों का सर्वे किया गया.. इस पहल के अंतर्गत 70 नए आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन हो रहा है, 54 भवन निर्माणाधीन हैं और 2024-25 में 95 और केंद्र स्वीकृत किए गए हैं.. नियद नेल्लानार योजना के तहत बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और कांकेर जिलों में 132 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं बालक कल्याण समिति और किशोर न्याय बोर्ड के अंतर्गत राज्य के 33 जिलों में अध्यक्ष, सदस्य और सामाजिक सदस्य पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन और साक्षात्कार प्रक्रिया चल रही है, जिससे बच्चों और किशोरों की भलाई और सुरक्षा के लिए एक मजबूत संरचना तैयार हो रही है. डबल इंजन सरकार ने 27 नवंबर 2024 से बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की शुरुआत की है.. विष्णु के सुशासन के एक वर्ष में छत्तीसगढ़ में नया आत्मविश्वास, एक नया विश्वास और एक नई दिशा दिखती है.. मुख्यमंत्री श्री साय की नीतियों और योजनाओं ने छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है.

आदिवासी समुदाय सीएम विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हो रहा खुशहाल...

रायपुर (प्रदेश रौनक)

अपने मुख्यमंत्रित्व काल के शुरुआती एक साल में ही छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार ने राज्य के हर एक वर्ग के हितों को प्राथमिकता के साथ साधने का काम किया है. आदिवासी समुदायों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार उनके लिए बहुत कुछ कर रही है. छत्तीसगढ़ की लगभग 3 करोड़ आबादी में एक तिहाई जनसंख्या आदिवासी समुदाय की है. इन समुदायों के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए साय सरकार ने अपना पूरा फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा पर किया है. इसके अलावा केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को आदिवासी समुदाय तक पहुँचाने की पूरी-पूरी कोशिश की जा रही है. आदिवासी समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं से नया वातावरण बन रहा है.छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष प्रयास कर रही है. स्थानीय बोलियों में प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया गया है. यह नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आदिवासी समुदायों में शिक्षा की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा. 18 स्थानीय भाषा-बोलियों में स्कूली बच्चों की पुस्तकें तैयार की जा रही हैं. प्रथम चरण में छत्तीसगढ़ी, सरगुजिहा, हल्बी, सादरी, गोंड़ी और कुड़ुख में कोर्स तैयार किया जा रहा है. दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में कक्षा 1 से 8 तक की शिक्षा प्रदान करने वाली आश्रम शालाओं की स्थापना की जा रही है.

इसके अलावा, प्रतिभावान आदिवासी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थानों में प्रवेश दिलाने हेतु 'जवाहर आदिवासी उत्कर्ष विद्यार्थी योजना' संचालित है, जिससे वे प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे. मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ के माओवादी आतंक प्रभावित जिलों के विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए ब्याज रहित ऋण मिलेगा। शेष जिलों के विद्यार्थियों को 1 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण प्रदान किया जाएगा. ब्याज अनुदान के लिए शिक्षा ऋण की अधिकतम सीमा 4 लाख रूपए रखी गई है.।राज्य सरकार द्वारा 36 कॉलेजों के भवन-छात्रावास निर्माण के लिए 131 करोड़ 52 लाख रूपए मंजूर किए गए है. इससे प्रदेश के 36 कॉलेजों के इंफ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ होंगे और शैक्षणिक माहौल को और भी बेहतर बनाने में मदद मिलेगी. इस स्वीकृति में अधिकांश आदिवासी बहुल क्षेत्रों के कॉलेजों को शामिल किया गया है. नई दिल्ली के ट्रायबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर अब 185 कर दी गई है. प्रदेश के 263 स्कूलों में पीएमश्री योजना शुरू की गई है, जिसके तहत इन स्कूलों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है. इस योजना के तहत स्कूलों में स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक विषयों को भी पढ़ाया जाएगा.

पीएमश्री स्कूल आदिवासी बहुल इलाकों में भी स्कूलों को अपग्रेड किया रहा है, इससे इन क्षेत्रों के बच्चों को भी आधुनिक, ज्ञानपरक और कौशल युक्त शिक्षा मिल रही है.आदिवासी समुदाय के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं. इसके अलावा माओवादी प्रभावित क्षेत्र के बच्चों के लिए 15 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित है. इन विद्यालयों में मेधावी विद्यार्थियों को अखिल भारतीय मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जा

रही हैं. यकीनन, छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज से आने वाले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के नए आयाम गढ़ रहा है. नई दिल्ली में रहकर संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा की तैयारी करने के इच्छुक अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए अब इस हॉस्टल में तीन गुने से भी अधिक सीटें उपलब्ध होंगी. आईआईटी की तर्ज पर राज्य के जशपुर, बस्तर, कबीरधाम, रायपुर और रायगढ़ में प्रौद्योगिकी संस्थानों का निर्माण किया जाएगा. राज्य में छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन की स्थापना भी की जा रही है.

किसी भी समुदाय की विकास की मुख्य धुरी उसकी आर्थिक समृद्धि होती है. छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी समुदायों के आर्थिक विकास के लिए 'आदिवासी स्वरोजगार योजना' चलाई जा रही है. इस योजना के तहत बैंकों के माध्यम से लघु उद्योग और व्यापार के लिए ऋण प्रदान किया जाता है, जिसमें किराना, टेलरिंग, मोटर मैकेनिक, मुर्गीपालन, बकरी पालन आदि व्यवसाय शामिल हैं. ऋण का 50% या अधिकतम 10,000 तक अनुदान के रूप में दिया जाता है, जिससे आदिवासी युवा आत्मनिर्भर बन सकें.

केन्द्र सरकार द्वारा आदिवासी समाज को प्राथमिकता जनजातीय परिवारों के सामाजिक आर्थिक विकास को गति देने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जा रहा है. इस योजना से देशभर के इसमें 63,000 गावों के 5 करोड़ जनजातीय लोग लाभार्थी होंगे. छत्तीसगढ़ की जनसंख्या में लगभग 30 प्रतिशत अनुपात आदिवासी समाज को सीधा लाभ मिलेगा.

इसी प्रकार कृषि बजट में वृद्धि खेती-किसानी से जुड़े क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ का आवंटन किया गया है. किसानों की खेतीबाड़ी के लिए 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई उच्च पैदावार वाली और जलवायु अनुकूल किस्म जारी की गई है. प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 10,000 जैव आदान संसाधन केंद्र स्थापित किए जाएगा, इसका लाभ भी राज्य के आदिवासी बहुल इलाकों को मिलेगा.

किसी भी समुदाय की संस्कृति को बचाते हुए उसका विकास करना ही सही विकास कहलाता है. छत्तीसगढ़ की साय सरकार आदिवासी समुदायों की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए भी प्रयासरत है. आदिवासी विकास प्राधिकरणों के माध्यम से उनकी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक संरचनाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए योजनाएं बनाई जाती हैं. इसके अलावा, आदिवासी क्षेत्रों में

बुनियादी सुविधाओं के विकास, जैसे सड़क, बिजली, पानी आदि, पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है.

प्रदेश के दूरस्थ इलाकों में जिस तरह स्वास्थ्य, सड़क, संचार और सुरक्षा नेटवर्क को मजबूती दी जा रही है, उसका सर्वाधिक लाभ आदिवासी वर्ग को मिल रहा है. छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदाय की बसाहट ज्यादातर वनांचल क्षेत्रों में है. इन क्षेत्रों में सड़क, नेटवर्क बढ़ाया जा रहा है. केन्द्र सरकार द्वारा भी भारत माला प्रोजेक्ट के तहत रायपुर से विशाखापट्नम तक ईकोनॉमी कारिडोर बनाया जा रहा है. राज्य के आदिवासी क्षेत्रों और अयोध्या धाम तक सीधी कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ने रायगढ़-धरमजयगढ़-मैनपाट-अंबिकापुर-उत्तरप्रदेश सीमा तक कुल 282 किमी तक के मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग की है. यह मार्ग प्रदेश के चार जिलों से होकर गुजरता है एवं धार्मिक नगरी अयोध्या से छत्तीसगढ़ राज्य को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है. इस मार्ग के लिए भारत सरकार से हरी झण्डी मिल गई है. इसका सीधा फायदा भी आदिवासी इलाकों को मिलेगा. इससे जहां आदिवासी समाज के जीवन स्तर में गुणवत्ता का संचार हो रहा है, वहीं सुशासन की सुखदाई हवा से प्रदेश में वामपंथी उग्रवाद की समस्या को परास्त किया जा रहा है.आदिवासी क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद को रोकने के लिए सुरक्षा और विकास को मूल मंत्र बनाया है. इसके सार्थक परिणाम दिख रहे हैं. इन इलाकों में रहने वाले लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ-साथ उन्हें सभी जरूरी सुविधाएं भी दी जा रही है. बीते एक साल के दौरान मुठभेड़ों में 195 माओवादियों को ढेर किया गया. 34 फारवर्ड सुरक्षा कैम्पों की स्थापना की गई. निकट भविष्य में दक्षिण बस्तर एवं माड़ में रि-डिप्लायमेंट द्वारा 30 नए कैम्पों की स्थापना प्रस्तावित है.

इन इलाकों में केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही पीएम जनमन योजना और राज्य सरकार की नियद नेल्ला नार योजना गेम चेंजर साबित हो रही है. राज्य शासन की नियद नेल्ला नार (आपका अच्छा गांव) योजना जनकल्याण का अभिनव उपक्रम साबित हो रही है. इस योजना के अंतर्गत माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित नए कैम्पों के आसपास के 5 किमी के दायरे में आने वाले 96 गांवों का चयन कर शासन के 17 विभागों की 53 योजनाओं और 28 सामुदायिक सुविधाओं के तहत आवास, अस्पताल, पानी, बिजली, पुल-पुलिया, स्कूल इत्यादि मूलभूत संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं.सुंदर स्वास्थ्य के बिना शानदार जीवन की कल्पना भी नही की जा सकती. आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए सरकार ने विशेष स्वास्थ्य योजनाएं शुरू की हैं.

प्रदेश में सुशासन स्थापित करने के हमारे लक्ष्य को हासिल करने में युवा पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री

रायपुर (प्रदेश रौनक)

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने लोक सेवा आयोग की सिविल परीक्षा 2023 की प्रावीण्य सूची में आए सफल अभ्यर्थियों से कहा कि आप लोगों ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा की कठिन परीक्षा में शीर्ष स्थान अर्जित किया है, निश्चित रूप से आप लोग युवा पीढ़ी के लिए आदर्श बन चुके हैं। आपने अपनी मेहनत, संकल्प और समर्पण से यह उपलब्धि हासिल की है। आपकी यह सफलता आपके परिवार, आपके शिक्षकों की भी सफलता है। जो युवा साथी भविष्य में ऐसी ही सफलता हासिल करना चाहते हैं, वे अब आपकी ओर देखेंगे। वे जानना चाहेंगे कि आपने इस सफलता के लिए किस तरह तैयारियां कीं, कितनी मेहनत की।मुझे खुशी है कि आप जैसी युवा प्रतिभाएं अब प्रशासन में महत्वपूर्ण दायित्व संभालेंगी। मुझ आपसे यही कहना है कि जितनी पारदर्शिता के साथ आपका चयन हुआ है, आप उतनी ही पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाह करें और प्रदेश में सुशासन स्थापित करने के हमारे लक्ष्य को हासिल करने में भागीदार बने। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आपको हमेशा यह भी याद रखना होगा कि आगे आपकी भूमिका लोक-सेवक की होगी। आपको अपने दायित्वों निर्वहन में धैर्य, विनम्रता और लोक-सेवक की सीमाओं का हमेशा ध्यान रखना होगा।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास पर आमंत्रित छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग वर्ष 2023 की परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों के साथ संवाद के दौरान यह बातें कही। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को सफलता के लिए शुभकामनाएं और बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आप सभी छत्तीसगढ़ के विकास में अपनी भूमिका निभाने जा रहे हैं। आम जनमानस में प्रशासन का विश्वास कायम रखने की दिशा में आप सभी को संवेदनशीलता से प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का जो संकल्प रखा है, वह स्वामी विवेकानंद के चिंतन और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की तरह दृढ़ निश्चयी होने से ही पूरा हो सकता है। आप सभी को इन्हीं आदर्शों के साथ अपने जीवन लक्ष्यों को पाने की दिशा में आगे बढ़ना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित करने का निर्णय लिया है और परीक्षा परिणामों में यह साफ नजर आ रहा है। यह दिन आम लोगों के लिए खास बन गया है और मेहनत करने वालों की जीत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रतियोगी परीक्षाओं को किस प्रकार और अधिक पारदर्शी और बेहतर बना सकते हैं, इस दिशा में भी हम प्रयासरत हैं । मुख्यमंत्री श्री साय ने अभ्यर्थियों से परीक्षा के दौरान आने वाली चुनौतियों और उनके अनुभव के बारे में जाना। श्री साय ने उनके परिजनों से भी चर्चा की और पूर्व में लोक सेवा आयोग की परीक्षा में पारदर्शिता को लेकर उनके मन में जो संशय था, सुधारात्मक उपायों के बाद आई पारदर्शिता को लेकर फीडबैक भी लिया। इस कार्यक्रम के दौरान टॉपर्स ने अपनी सफलता के अनुभव साझा किए और अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों को समर्पित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने सिविल सेवा परीक्षा के सभी टॉपर्स श्री रविशंकर वर्मा, श्रीमती मृणमयी शुक्ला, सुश्री आस्था शर्मा, सुश्री किरण सिंह राजपूत, सुश्री नंदिनी साहू, श्री सोनल यादव, श्री दिव्यांश चौहान, श्री शशांक कुमार, श्री पुनीत वर्मा, श्री उत्तम कुमार को स्वामी विवेकानंद, स्वर्गीय श्रद्धेय अटल जी और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित पुस्तकें और प्रशस्ति पत्र भेंट किए।

गौ-माता के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा

बेमेतरा के झालम में 50 एकड़ में और कवर्धा में 120 एकड़ में बन रहा है गौ -धाम

विष्णु देव साय द्वारा गौशालाओं को प्रति मवेशी दी जाने वाली अनुदान की राशि 25 रुपए से बढ़ा कर 35 रुपए करने की घोषणा

रायपुर (प्रदेश रौनक)

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने गौशालाओं को प्रति मवेशी दी जाने वाली अनुदान की राशि 25 रुपए से बढ़ा कर 35 रुपए करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि गौ माता के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए छत्तीसगढ़ में जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के नव नियुक्त अध्यक्ष श्री विशेषर सिंह पटेल के पदभार ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने नई जिम्मेदारी मिलने पर छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के नव नियुक्त अध्यक्ष श्री विशेषर पटेल को बधाई और शुभकामनाएं दीं और उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लगाए गए गौ-उत्पादों के स्टालों का अवलोकन भी किया।समारोह में उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव और श्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गौ माता हमारी समृद्धि का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि गौ माता में 33 कोटि देवी देवताओं का वास होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ अभ्यारण्य को गौ-धाम कहना उचित होगा। राज्य सरकार द्वारा जगह जगह गौ -धाम बनाने का निर्णय किया गया है। बेमेतरा जिले के झालम में 50 एकड़ में गौ-धाम बनकर तैयार है, जल्द ही इसका उदघाटन किया जाएगा। इसी तरह कवर्धा जिले में 120 एकड़ में गौ-धाम बनाने का काम तेजी से चल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और छत्तीसगढ़ के देवभोग ब्रांड को मजबूत बनाने का काम किया जा रहा है। राज्य सरकार का प्रयास होगा कि गौ माता सुरक्षित रहें। गौ तस्करी और गौ हत्या पर पाबंदी लगाने के लिए सख्ती से कदम उठाए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि गौ -माता हमारी कृषि अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग हैं। इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए आवश्यक है कि हम गौ - माता के लिए अपने घर में जगह बनाएं, गौ - पालन करें। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश में विष्णु का सुशासन है। पीएससी घोटाले और भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ सख्त करवाई की जा रही है। राज्य सरकार गुजरात के अमूल की तर्ज पर पशुपालन को समाज और परिवार की आर्थिक तरक्की का जरिया बनाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के नव नियुक्त अध्यक्ष श्री विशेषर सिंह पटेल ने आयोग के कार्यों और भावी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप मनाया जाएगा: विष्णु देव साय

रायपुर (प्रदेश रौनक)

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जशपुर के सराईटोली में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर आयोजित अटल सुशासन चौपाल में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के निर्माता श्रद्धेय अटल जी को छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से नमन किया। मुख्यमंत्री ने देश के निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप मनाया जाएगा। इस दौरान अधोसंरचना विकास के कार्य प्राथमिकता से किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य छत्तीसगढ़ उनकी ही देन है।उन्होंने कहा कि अटल जी हमेशा अपने मूल्यों और सिद्धांतों पर अडिग रहते थे। आज पूरे प्रदेश में उनकी जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अटल जी का मानना था कि छत्तीसगढ़ का निर्माण होगा तो इस क्षेत्र का तेजी से विकास होगा। यहां के निवासियों और जनजातियों को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे। उनकी प्रगति को बल मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी की मंशा के अनुरूप राज्य सरकार समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के स्वप्न को पूरा कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में लगातार मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम राज्य सरकार कर रही है। 3100 रूपए प्रति क्विंटल एवं 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी की जा रही है। महतारी वंदन योजना में 70 लाख माताओं-बहनों को हर माह एक हजार रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से दी जा रही है। रामलला दर्शन योजना के साथ अब तीर्थ यात्रा योजना भी जल्द शुरू की जाएगी। तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक की दर 4000 रूपए से बढ़ाकर 5500 रूपए कर दी गई है।सीजीपीएससी घोटाले की जांच सीबीआई ने शुरू कर दी है। इसमें लिप्त लोगों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इससे छात्रों का भरोसा सीजीपीएससी पर फिर से लौटा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुगम और पारदर्शी बनाया जा रहा है। गुड गवर्नेंस के लिए सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है। बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे को लेकर निर्णायक लड़ाई लड़ी जा रही है। राज्य सरकार पूरे प्रदेश में सभी वर्गों के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई जी के योगदान के लिए पूरे देश के साथ विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के लोग उनके बहुत आभारी हैं। उन्होंने हमें छत्तीसगढ़ के रूप में एक अलग राज्य की सौगात दी। आज छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। मोदी की गारंटी के अधिकांश वायदे हमने एक वर्ष में पूरे किए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सराईटोली में अनेक विकास कार्यों की घोषणा की- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने क्षेत्र के किसानों की सुविधा की दृष्टि से फरसाबहार में अपेक्स बैंक की शाखा खोलने की घोषणा की। इसके साथ ही कोतईबीरा से कपाटद्वार तक लक्ष्मण झूला की तर्ज पर सस्पेंशन ब्रिज निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अटल सुशासन चौपाल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण कर हितग्राहियों को सहायता राशि और दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किया। उन्होंने मछुआ सहकारी समिति एवं दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों को पंजीयन प्रमाण पत्र देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक द्वारा पे-केसीसी कार्ड के वितरण सहित अनेक हितग्राहियों को मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल, राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि एवं दिव्यांग बच्चों को निःशक्तजन छात्रवृत्ति का प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने दिव्यांग बच्चों को अच्छी पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ महिला कोष के माध्यम से मां तारिणी स्व-सहायता समूह को 80 हजार रुपए एवं जय मां अम्बे स्व सहयता समूह को एक लाख रुपए का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर श्रीमती कौशल्या देवी साय, श्री रोहित साय, श्री भरत साय सहित अनेक जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़वासियों की भावनाओं का सम्मान करने वाले महान राजनेता थे अटल जी: मुख्यमंत्री

रायपुर (प्रदेश रौनक)

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के अवंति विहार चौक पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुण्य स्मरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अटल जी छत्तीसगढ़वासियों की भावनाओं का सम्मान करने वाले महान राजनेता थे। अटल जी का नेतृत्व, दूरदृष्टि और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी नीतियों और विचारों ने भारत को एक नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल जी के सपनों को साकार करते हुए ही छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने अटल जी के जन्मशती के इस विशेष अवसर पर कहा कि अटल जी के मूल्यों को आत्मसात कर हम सभी राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, विधायक श्री सुनील सोनी, विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री राजेश मूणत सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नैसर्गिक सुंदरता के लिए विख्यात जशपुर के मयाली और मधेश्वर पहाड़ की देश-दुनिया में बनी अलग पहचान

रविन्द्र चौधरी, डॉ. ओम डहरिया

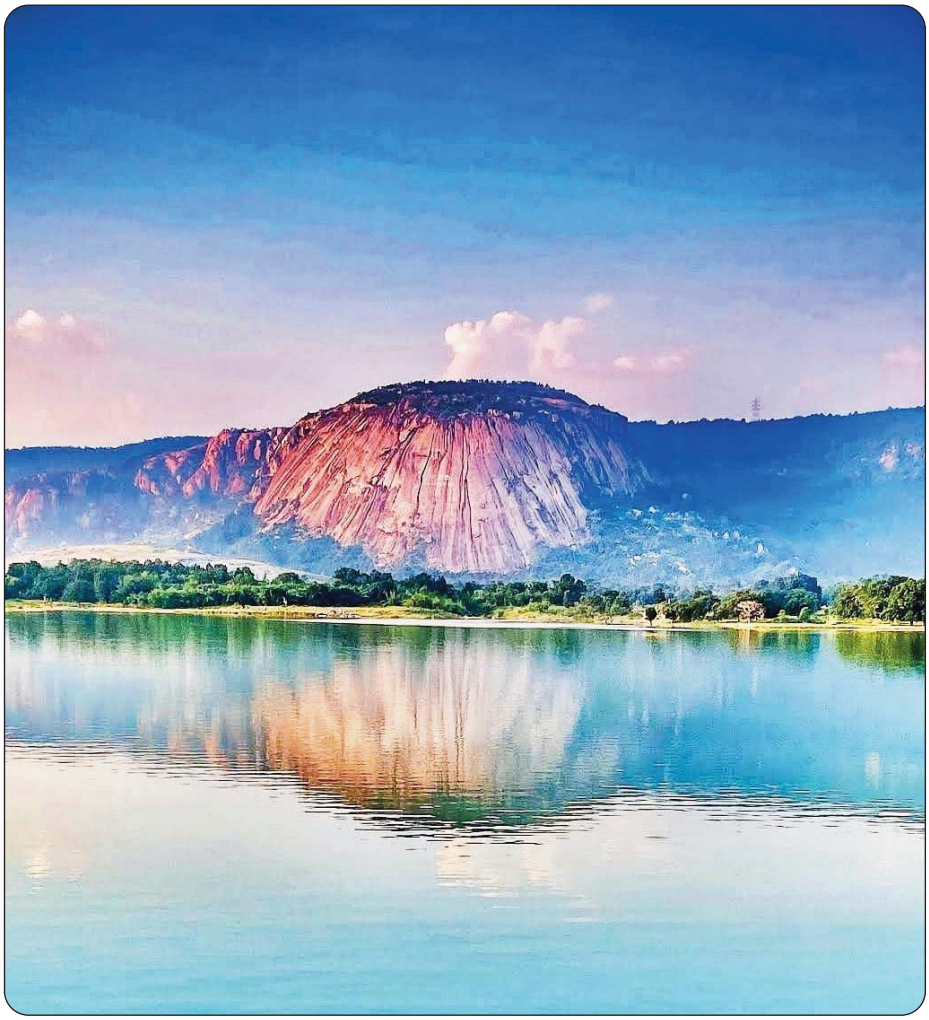

नैसर्गिक सुंदरता के लिए विख्यात जशपुर के मयाली और मधेश्वर पहाड़ की देश-दुनिया में बनी अलग पहचाननैसर्गिक सुंदरता के लिए विख्यात जशपुर जिले के पर्यटन स्थल मयाली की देश-दुनिया मे एक ंअलग पहचान बनते जा रही है। वहीं हाल ही में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपनी जगह बनाने वाले यहां के मधेश्वर पहाड़ "लार्जेस्ट नेचुरल शिवलिंग" के रूप में जिले का नाम रोशन हो रहा है। जशपुर के बदलती हुई तस्वीर, आज और कल फिल्म का यह मशहूर गाना ये वदियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें.....ऐसा प्रतीत हो रहा है कि किसी खूबसूरत जगह को निहारने के लिए प्राकृतिक खुबसूरती समेटें हुए यह पहाड़, यह नदियां और वादियों की प्राकृतिक खूबसूरती समेटे जशपुर की खूबसूरत वादियों की पुकारती आवाज अब छत्तीसगढ सहित देश-दुनिया के पर्यटकों को सुनाई दे रही है।

वैसे तो सुरमयी वातावरण, प्राकृतिक छटा से घिरे जशपुर में प्रकृति की खूबसूरती दिखाते अनेकों पर्यटन स्थल है। इसी प्राकृतिक नैसर्गिक सुंदरता के लिए विख्यात मयाली में 22 अक्टूबर को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक ने इसे पुनः चर्चा के केंद्रबिंदु में ले आया। वहीं

छत्तीसगढ़ प्रवास पर आई राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के साथ नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री श्री साय और उनके परिवारजनों व अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ हुई एक ग्रुप फोटो जिसके बैकड्रॉप में जशपुर का खूबसूरत मधेश्वर पहाड़ प्रदर्शित था। पूरी दुनिया में फैली इस छायाचित्र ने लोगों को जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता की ओर ध्यान खींचा है।

मधेश्वर पहाड़ ''लार्जेस्ट नेचुरल शिवलिंग' के रूप में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रयासों से मधेश्वर पहाड़ को शिवलिंग की विश्व की सबसे बड़ी प्राकृतिक प्रतिकृति के रूप में मान्यता मिली है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला है। रिकॉर्ड बुक में 'लार्जेस्ट नेचुरल फैक्सिमिली ऑफ शिवलिंग' के रूप में मधेश्वर पहाड़ को दर्ज किया गया है। जशपुर की पर्यटन स्थलों की जानकारी के लिए पर्यटन वेबसाइट https:// www. easemytrip.com में जगह दी गई है। जशपुर इस पर्यटन वेबसाइट में शामिल होने वाला प्रदेश का पहला जिला बन गया है। इस बेबसाइट के माध्यम से जशपुर की नैसर्गिक खूबसूरती की जानकारी पर्यटकों को आसानी से मिल रही है। कुनकुरी ब्लॉक में स्थित मयाली जिला मुख्यालय से लगभग 32 किलोमीटर दूरी पर है। जिला मुख्यालय से एनएच-43 सड़कमार्ग से जाते समय चरईडांड चौक पड़ता है। यहां से बगीचा रोड में कुछ ही दूरी पर मयाली नेचर कैंप स्थित है। यहां से सामने दिखाई देती मधेश्वर महादेव पहाड़ को विश्व का प्राकृतिक तौर पर निर्मित विशालतम शिवलिंग की मान्यता मिली है। इस शिवलिंग पर लोगों की बड़ी आस्था है। यहाँ सैलानी दूर-दूर से आते हैं और प्रकृति से अपने आप को जोड़ते हैं। मधेश्वर पहाड़ न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पर्वतारोहण और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए भी लोकप्रिय होता जा रहा है।

मयाली स्वदेश दर्शन योजना में शामिल, 10 करोड़ से होगा पर्यटन के रूप में विकसित

मयाली नेचर कैंप से एक ओर डैम की खूबसूरती तो दूसरी ओर विशालतम प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर पहाड़ का विहंगम दृश्य दिखाई पड़ता है। चारों ओर फैली हरियाली से इसकी सुंदरता और बढ़ जाती है। मयाली डेम में बोटिंग की भी सुविधा है। भारी संख्या में लोग यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही बोटिंग का आनंद लेने के लिए भी आते हैं।

पूर्व PM मनमोहन सिंह का निधन

मीडिया ने नहीं किया पर इतिहास मुझ पर रहम करेगा

नई दिल्ली। देश के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का निधन हो गया है। देश में आर्थिक उदारीकरण से लेकर मनरेगा तक के लिए याद किए जाने वाले मनमोहन सिंह 10 साल तक पीएम रहे थे। रिजर्व बैंक के गवर्नर, वित्त मंत्री, योजना आयोग के उपाध्यक्ष समेत कई अहम पदों पर वह उससे पहले भी सुशोभित रहे थे, लेकिन पीएम रहने के दौरान उन्हें तीखी आलोचनाएं झेलनी पड़ी थीं। लेकिन एक बार

उन्होंने आलोचनाओं से आजिज आकर अपना दर्द भी बयां किया था। प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में सिंह को विवादास्पद मुद्दों पर अपनी सरकार के रिकॉर्ड और कांग्रेस के रुख का बचाव करते देखा गया और कहा कि वह एक कमजोर प्रधानमंत्री नहीं थे। सिंह ने तब कहा था, 'मैं ईमानदारी से उम्मीद करता हूं कि समकालीन मीडिया या उस मामले में संसद में विपक्षी दलों की तुलना में इतिहास मेरे प्रति अधिक दयालु होगा।'सौम्य और मृदुभाषी स्वभाव वाले मनमोहन सिंह भारत में आर्थिक सुधारों का सूत्रपात करने वाले शीर्ष अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री के तौर पर लगातार दो बार गठबंधन सरकार चलाने वाले कांग्रेस के पहले नेता के तौर पर याद किए जाएंगे। कभी अपने गांव में मिट्टी के तेल से जलने वाले लैंप की रोशनी में पढ़ाई करने वाले सिंह आगे चलकर एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद बने। सिंह की 1990 के दशक की शुरुआत में भारत को उदारीकरण की राह पर लाने के लिए सराहना की गई, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों पर आंखें मूंद लेने के लिए भी उनकी आलोचना की गई।

उनके करीबी सूत्रों की माने तो राहुल गांधी द्वारा दोषी राजनेताओं को चुनाव लड़ने की अनुमति देने के लिए अध्यादेश लाने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले की प्रति फाड़ने के बाद सिंह ने लगभग इस्तीफा देने का मन बना लिया था। उस समय वह विदेश में थे। भाजपा द्वारा सिंह पर अकसर ऐसी सरकार चलाने का आरोप लगाया जाता था जो भ्रष्टाचार से घिरी हुई थी। पार्टी ने उन्हें 'मौनमोहन सिंह' की संज्ञा दी थी और आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने मंत्रिमंडल में भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ नहीं बोला। अविभाजित भारत (अब पाकिस्तान) के पंजाब प्रांत के गाह गांव में 26 सितंबर, 1932 को गुरमुख सिंह और अमृत कौर के घर जन्मे सिंह ने 1948 में पंजाब में अपनी मैट्रिक की पढ़ाई पूरी की।

कहां-कहां से पढ़े थे अर्थव्यवस्था के 'डॉक्टर'-उनका शैक्षणिक करियर उन्हें पंजाब से ब्रिटेन के कैंब्रिज तक ले गया जहां उन्होंने 1957 में अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी ऑनर्स की डिग्री हासिल की। सिंह ने इसके बाद 1962 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के नाफील्ड कॉलेज से अर्थशास्त्र में 'डी.फिल' की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाब विश्वविद्यालय और प्रतिष्ठित 'दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' के संकाय में अध्यापन से की। उन्होंने 'यूएनसीटीएडी' सचिवालय में भी कुछ समय तक काम किया और बाद में 1987 और 1990 के बीच जिनेवा में 'साउथ कमीशन' के महासचिव बने। वर्ष 1971 में सिंह भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। इसके तुरंत बाद 1972 में वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में उनकी नियुक्ति हुई।

1991 में जो मनमोहन ने किया, उस पर चल रहे अब कई देश-उन्होंने जिन कई सरकारी पदों पर काम किया उनमें वित्त मंत्रालय में सचिव; योजना आयोग के उपाध्यक्ष, भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के पद शाामिल हैं। उनके करियर का महत्वपूर्ण मोड़ 1991 में नरसिंह राव सरकार में भारत के वित्त मंत्री के रूप में सिंह की नियुक्ति था। आर्थिक सुधारों की एक व्यापक नीति शुरू करने में उनकी भूमिका को अब दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है। बाद में सिंह को भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करने के लिए चुना गया जब सोनिया गांधी ने इस भूमिका को संभालने से इनकार किया और अपनी जगह उनका चयन किया। उन्होंने 22 मई 2004 को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और 22 मई, 2009 को दूसरे कार्यकाल के लिए पद संभाला।

नोटबंदी पर क्या बोले थे अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह-उनका राजनीतिक करियर 1991 में राज्यसभा के सदस्य के रूप में शुरू हुआ, जहां वह 1998 से 2004 के बीच विपक्ष के नेता रहे। उन्होंने इस साल (3 अप्रैल) को राज्यसभा में अपनी 33 साल लंबी संसदीय पारी समाप्त की थी।

महाकुंभ का संदेश है पूरा देश एकजुट हो: मोदी

दिल्ली। मन की बात की 117वीं कड़ी में आज देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ की विशेषता सिर्फ इसकी विशालता ही नहीं है बल्कि इसकी विविधता भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग जुटते हैं। लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ों पंथ, अनेक अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है।

श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कहीं कोई भेदभाव नहीं है, कोई बड़ा नहीं है, कोई छोटा नहीं है। विविधता में एकता का ऐसा दृश्य दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलता। इसलिए हमारा कुंभ भी एकता का महाकुंभ है। आने वाला महाकुंभ भी एकता के महाकुंभ के मंत्र को बल देगा। उन्होंने नागरिकों से एकता के संकल्प के साथ महाकुंभ में भाग लेने का आह्वान किया कि आइए हम समाज में विभाजन और नफरत की भावना को मिटाने का भी संकल्प लें। अगर मुझे इसे कुछ शब्दों में कहना हो तो मैं कहूंगा, महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश" । उन्होंने कहा, ₹महाकुंभ का संदेश है पूरा देश एकजुट हो। इसे दूसरे तरीके से कहें तो मैं कहूंगा, गंगा की अविरल धारा, न बनें समाज हमारा ।₹ उन्होंने कहा, ₹गंगा की निर्बाध धारा की तरह हमारा समाज भी अखंड हो।₹ श्री मोदी ने आगे कहा कि इस बार प्रयागराज में देश और दुनिया के श्रद्धालु डिजिटल महाकुंभ के भी साक्षी बनेंगे। डिजिटल नेविगेशन की मदद से आप अलग-अलग घाटों, मंदिरों और साधुओं के अखाड़ों तक पहुंच सकेंगे। यही नेविगेशन सिस्टम

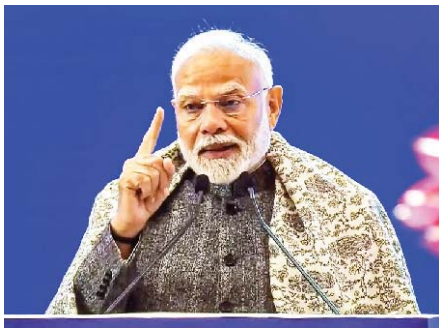

आपको पार्किंग स्थलों तक पहुंचने में भी मदद करेगा। कुंभ आयोजन में पहली बार एआई चैटबॉट का इस्तेमाल किया जाएगा। एआई चैटबॉट के ज़रिए कुंभ से जुड़ी हर तरह की जानकारी 11 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी। कोई भी व्यक्ति इस चैटबॉट के माध्यम से टेक्स्ट टाइप करके या बोलकर किसी भी तरह की मदद मांग सकता है। पूरे मेला क्षेत्र को एआई संचालित कैमरों से कवर किया जा रहा है। कुंभ के दौरान अगर कोई अपने परिजनों से बिछड़ जाता है तो ये कैमरे उसे ढूंढने में मदद करेंगे। श्रद्धालुओं को डिजिटल खोया-पाया केंद्र की सुविधा भी मिलेगी। श्रद्धालुओं को उनके मोबाइल फोन पर सरकार द्वारा स्वीकृत टूर पैकेज, आवास और होम-स्टे की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। श्री मोदी ने लोगों से आह्वान किया कि वे महाकुंभ आने पर इन सुविधाओं का लाभ उठाएं और #एकताकामहाकुंभ के साथ अपनी सेल्फी अपलोड करें। राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे आज भारतीय संस्कृति की चमक दुनिया के कोने-कोने में फैल रही है। उन्होंने ताजमहल की एक शानदार पेंटिंग का जिक्र किया जिसे मिस्र की एक 13 वर्षीय दिव्यांग लड़की ने अपने मुख से बनाया है। श्री मोदी ने बताया कि कुछ सप्ताह पहले मिस्र के लगभग 23 हजार छात्रों ने एक पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया था जिसमें उन्हें भारतीय संस्कृति और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को दर्शाती पेंटिंग बनानी थी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले युवाओं की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी रचनात्मकता की जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम होगी।

पीएम मोदी से मिले विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश

नई दिल्ली। सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन और भारत के गौरव डी गुकेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शनिवार को मुलाकात की। पीएम मोदी ने गुकेश को बधाई देते हुए कहा, मेरी उनके साथ शानदार बातचीत हुई! मैं पिछले कुछ सालों से उनके साथ निकटता से बातचीत कर रहा हूं, और उनके बारे में जो बात मुझे सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है, वह है उनका दृढ़ संकल्प और समर्पण। उनका आत्मविश्वास वाकई प्रेरणादायक है। दरअसल, मुझे कुछ साल पहले उनका एक वीडियो याद है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनेंगे - एक भविष्यवाणी जो अब उनके अपने प्रयासों की बदौलत सच साबित हुई है। उल्लेखनीय है कि

सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन, 18 वर्षीय डी गुकेश ने सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप के फाइनल में गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराया था। गुकेश महान विश्वनाथन आनंद के नक्शेकदम पर चलते हुए यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। पीएम मोदी ने कहा, आत्मविश्वास के साथ-साथ गुकेश में शांति और विनम्रता भी है। जीतने के बाद, वह शांत था, अपनी महिमा में डूबा हुआ था और इस कठिन जीत को कैसे प्राप्त किया जाए, यह पूरी तरह से समझता था। आज हमारी बातचीत योग और ध्यान की परिवर्तनकारी क्षमता के इर्द-गिर्द घूमती रही। उन्होंने कहा, हर एथलीट की सफलता में उसके माता-पिता की अहम भूमिका होती है। मैंने गुकेश के माता-पिता की हर मुश्किल परिस्थिति में उसका साथ देने के लिए प्रशंसा की। उनका समर्पण उन युवा उम्मीदवारों के अनगिनत माता-पिता को प्रेरित करेगा जो खेल को करियर के रूप में अपनाने का सपना देखते हैं।

राष्ट्र निर्माण के 'अटल' आदर्श की शताब्दी

नरेंद्र मोदी

पीएम पद पर रहते हुए उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब हमेशा बेहतरीन तरीके से दिया। वो ज्यादातर समय विपक्षी दल में रहे, लेकिन नीतियों का विरोध तर्कों और शब्दों से किया। एक समय उन्हें कांग्रेस ने गद्दार तक कह दिया था, उसके बाद भी उन्होंने कभी असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं...लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं? अटल जी के ये शब्द कितने साहसी हैं...कितने गूढ़ हैं। अटल जी, कूच से नहीं डरे...उन जैसे व्यक्तित्व को किसी से डर लगता भी नहीं था। वो ये भी कहते थे... जीवन बंजारों का डेरा आज यहां, कल कहां कूच है..कौन जानता किधर सवेरा...आज अगर वो हमारे बीच होते, तो वो अपने जन्मदिन पर नया सवेरा देख रहे होते। मैं वो दिन नहीं भूलता जब उन्होंने मुझे पास बुलाकर अंकवार में भर लिया था...और जोर से पीठ में धौल जमा दी थी। वो स्नेह...वो अपनत्व...वो प्रेम...मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है।

25 दिसंबर का ये दिन भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है। 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए उनकी एनडीए सरकार ने जो कदम उठाए, उसने देश को एक नई दिशा, नई गति दी। 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था। 9 साल में देश ने चार बार लोकसभा के चुनाव देखे थे। लोगों को शंका थी कि ये सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएगी। ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया। भारत को नव विकास की गारंटी दी।वो ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है। वो भविष्य के भारत के परिकल्पना पुरुष थे। उनकी सरकार ने देश को आईटी, टेलीकम्यूनिकेशन और दूरसंचार की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाया। उनके शासन काल में ही, एनडीए ने टेक्नॉलजी को सामान्य मानवी की पहुंच तक लाने का काम शुरू किया। भारत के दूर-दराज के इलाकों को बड़े शहरों से जोड़ने के सफल प्रयास किये गए। वाजपेयी जी की सरकार में शुरू हुई जिस स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा वो आज भी लोगों की स्मृतियों पर अमिट है। लोकल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए भी एनडीए गठबंधन की सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए। उनके शासन काल में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई, जिसका विस्तार आज हमारी सरकार एक वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में कर रही है। ऐसे ही प्रयासों से उन्होंने ना सिर्फ आर्थिक प्रगति को नई शक्ति दी, बल्कि

दूर-दराज के क्षेत्रों को एक दूसरे से जोड़कर भारत की एकता को भी सशक्त किया।

जब भी सर्व शिक्षा अभियान की बात होती है, तो अटल जी की सरकार का जिक्र जरूर होता है। शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानने वाले वाजपेयी जी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर व्यक्ति को आधुनिक और गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले। वो चाहते थे भारत के वर्ग, यानि ओबीसी, एससी, एसटी, आदिवासी और महिला सभी के लिए शिक्षा सहज और सुलभ बने।

उनकी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बड़े आर्थिक सुधार किए। इन सुधारों के कारण भाई-भतीजावाद में फंसी देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली। उस दौर की सरकार के समय में जो नीतियां बनीं, उनका मूल उद्देश्य सामान्य मानवी के जीवन को बदलना ही रहा। उनकी सरकार के कई ऐसे अद्भुत और साहसी उदाहरण हैं, जिन्हें आज भी हम देशवासी गर्व से याद करते है। देश को अब भी 11 मई 1998 का वो गौरव दिवस याद है, एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ। इसे 'ऑपरेशन शक्ति' का नाम दिया गया। इस परीक्षण के बाद दुनियाभर में भारत के वैज्ञानिकों को लेकर चर्चा होने लगी। इस बीच कई देशों ने खुलकर नाराजगी जताई, लेकिन तब की सरकार ने किसी दबाव की परवाह नहीं की। पीछे हटने की जगह 13 मई को न्यूक्लियर टेस्ट का एक और धमाका कर दिया गया। 11 मई को हुए परीक्षण ने तो दुनिया को भारत के वैज्ञानिकों की शक्ति से परिचय कराया था। लेकिन 13 मई को हुए परीक्षण ने दुनिया को ये दिखाया कि भारत का नेतृत्व एक ऐसे नेता के हाथ में है, जो एक अलग मिट्टी से बना है।

उन्होंने पूरी दुनिया को ये संदेश दिया, ये पुराना भारत नहीं है। पूरी दुनिया जान चुकी थी, कि भारत अब दबाव में आने वाला देश नहीं है। इस परमाणु परीक्षण की वजह से देश पर प्रतिबंध भी लगे, लेकिन देश ने सबका मुकाबला किया। वाजपेयी सरकार के शासन काल में कई बार सुरक्षा संबंधी चुनौतियां आईं। करगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायरना प्रहार किया। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले से वैश्विक स्थितियां बदलीं, लेकिन हर स्थिति में अटल जी के लिए भारत और भारत का हित सर्वोपरि रहा। जब भी आप वाजपेयी जी के व्यक्तित्व के बारे में किसी से बात करेंगे तो वो यही कहेगा कि वो लोगों को अपनी तरफ खींच लेते थे। उनकी बोलने की कला का कोई सानी नहीं था। कविताओं और शब्दों में उनका कोई जवाब नहीं था। विरोधी भी वाजपेयी जी के भाषणों के मुरीद थे। युवा सांसदों के लिए वो चर्चाएं सीखने का माध्यम बनतीं। कुछ सांसदों की संख्या लेकर भी, वो कांग्रेस की कुनीतियों का प्रखर विरोध करने में सफल होते। भारतीय राजनीति में वाजपेयी जी ने दिखाया, ईमानदारी और नीतिगत स्पष्टता का अर्थ क्या है।

संसद में कहा गया उनका ये वाक्य... सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए...आज भी

मंत्र की तरह हम सबके मन में गूंजता रहता है।

वो भारतीय लोकतंत्र को समझते थे। वो ये भी जानते थे कि लोकतंत्र का मजबूत रहना कितना जरुरी है। आपातकाल के समय उन्होंने दमनकारी कांग्रेस सरकार का जमकर विरोध किया, यातनाएं झेली। जेल जाकर भी संविधान के हित का संकल्प दोहराया। NDA की स्थापना के साथ उन्होंने गठबंधन की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित किया। वो अनेक दलों को साथ लाए और NDA को विकास, देश की प्रगति और क्षेत्रीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधि बनाया। पीएम पद पर रहते हुए उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब हमेशा बेहतरीन तरीके से दिया। वो ज्यादातर समय विपक्षी दल में रहे, लेकिन नीतियों का विरोध तर्कों और शब्दों से किया। एक समय उन्हें कांग्रेस ने गद्दार तक कह दिया था, उसके बाद भी उन्होंने कभी असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। उन में सत्ता की लालसा नहीं थी। 1996 में उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीति ना चुनकर, इस्तीफा देने का रास्ता चुन लिया। राजनीतिक षड्यंत्रों के कारण 1999 में उन्हें सिर्फ एक वोट के अंतर के कारण पद से इस्तीफा देना पड़ा। कई लोगों ने उनसे इस तरह की अनैतिक राजनीति को चुनौती देने के लिए कहा, लेकिन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी शुचिता की राजनीति पर चले। अगले चुनाव में उन्होंने मजबूत जनादेश के साथ वापसी की। संविधान के मूल्य संरक्षण में भी, उनके जैसा कोई नहीं था। डॉ. श्यामा प्रसाद के निधन का उनपर बहुत प्रभाव पड़ा था। वो आपात के खिलाफ लड़ाई का भी बड़ा चेहरा बने। इमरजेंसी केबाद 1977 के चुनाव से पहले उन्होंने 'जनसंघ' का जनता पार्टी में विलय करने पर भी सहमति जता दी। मैं जानता हूं कि ये निर्णय सहज नहीं रहा होगा, लेकिन वाजपेयी जी के लिए हर राष्ट्रभक्त कार्यकर्ता की तरह दल से बड़ा देश था, संगठन से बड़ा, संविधान था। हम सब जानते हैं, अटल जी को भारतीय संस्कृति से भी बहुत लगाव था। भारत के विदेश मंत्री बनने के बाद जब संयुक्त राष्ट्र संघ में भाषण देने का अवसर आया, तो उन्होंने अपनी हिंदी से पूरे देश को खुद से जोड़ा। पहली बार किसी ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र में अपनी बात कही। उन्होंने भारत की विरासत को विश्व पटल पर रखा। उन्होंने सामान्य भारतीय की भाषा को संयुक्त राष्ट्र के मंच तक पहुंचाया। राजनीतिक जीवन में होने के बाद भी, वो साहित्य और अभिव्यक्ति से जुड़े रहे। वो एक ऐसे कवि और लेखक थे, जिनके शब्द हर विपरीत स्थिति में व्यक्ति को आशा और नव सृजन की प्रेरणा देते थे। वो हर उम्र के भारतीय के प्रिय थे। हर वर्ग के अपने थे। मेरे जैसे भारतीय जनता पार्टी के असंख्य कार्यकर्ताओं को उनसे सीखने का, उनके साथ काम करने का, उनसे संवाद करने का अवसर मिला। अगर आज बीजेपी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है तो इसका श्रेय उस अटल आधार को है, जिसपर ये दृढ़ संगठन खड़ा है। उन्होंने बीजेपी की नींव तब रखी, जब कांग्रेस जैसी पार्टी का विकल्प बनना आसान नहीं था। उनका नेतृत्व, उनकी राजनीतिक दक्षता, साहस और लोकतंत्र के प्रति उनके अगाध समर्पण ने बीजेपी को भारत की लोकप्रिय पार्टी के रूप में प्रशस्त किया। श्री लालकृष्ण आडवाणी और डॉ. मुरली मनोहर जोशी जैसे दिग्गजों के साथ, उन्होंने पार्टी को अनेक चुनौतियों से निकालकर सफलता के सोपान तक पहुंचाया। जब भी सत्ता और विचारधारा के बीच एक को चुनने की स्थितियां आईं, उन्होंने इस चुनाव में विचारधारा को खुले मन से चुन लिया।

एक छोटी सी चिड़िया ने कैसे करा दिया इतने बड़े प्लेन को क्रैश? 179 मौतों के पीछे का सच क्या है

ट्रांसपोर्ट मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि एयरपोर्ट कंट्रोल टावर ने विमान को लैंडिग से पहले पक्षियों से टकराने की चेतावनी दी थी। एक अलग जगह लैंड करने की इजाजत भी दी थी। लेकिन पायलट ने रनवे पार करने से पहले एक इमरजेंसी सिग्नल भेजा। विमान रनवे से फिसलकर बफर जोन में चला गया और दीवार से टकरा गया।

थाईलैंड से 181 लोगों को दक्षिण कोरिया ले जा रहा हवाई जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान एक बैरियर से टकरा गया और आग की लपटों में घिर गया, मलबे से निकाले गए दो फ्लाइट अटेंडेंट को छोड़कर विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, विमान पूरी तरह नष्ट हो गया, केवल उसकी पूंछ का हिस्सा ही मलबे में पहचानने लायक बचा है। ट्रांसपोर्ट मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि एयरपोर्ट कंट्रोल टावर ने विमान को लैंडिग से पहले पक्षियों से टकराने की चेतावनी दी थी। एक अलग जगह लैंड करने की इजाजत भी दी थी। लेकिन पायलट ने रनवे पार करने से पहले एक इमरजेंसी सिग्नल भेजा। विमान रनवे से फिसलकर बफर जोन में चला गया और दीवार से टकरा गया।

हादसे के कारण और आग की वजह जानने के लिए विमान के ब्लैक बॉक्स से फ्लाइट डेटा और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर निकाल लिए गए हैं। इस जांच को पूरा करने में महीनों लग सकते हैं। मुआन एयरपोर्ट का रनवे 1 जनवरी तक बंद रहेगा। एयरलाइन जेजू एयर ने लोगों से माफी मांगी है। सीइओ किम ई-बे और अन्य कंपनी मालिकों ने सबके सामने अपना सिर झुकाया। कंपनी ने हका, 'हम जेजू एयर में इस घटना में नुकसान उठाने वाले सभी लोगों से माफी मांगते हुए अपना सिर नीचे झुकाते हैं। हम घटना पर प्रतिक्रिया देने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। हमें परेशानी के लिए खेद है।

क्या सच में पक्षी टकराने की थ्योरी सही है?

हालाँकि, हर कोई इस बात से सहमत नहीं है कि रविवार की त्रासदी एक पक्षी के टकराने के कारण हुई। विमानन विशेषज्ञों ने कहा कि पक्षी से टकराने को निश्चित रूप से दुर्घटना का कारण बताने से पहले और सबूत की जरूरत है। विमानन विशेषज्ञ और एयरलाइन न्यूज़ के संपादक जेफ्री थॉमस ने बीबीसी को बताया कि दक्षिण कोरिया और उसकी एयरलाइनों को उद्योग का सर्वोत्तम अभ्यास माना जाता है और विमान और एयरलाइन दोनों का त्कृष्ट सुरक्षा रिकॉर्ड है। उन्होंने आगे कहा कि इस त्रासदी के बारे में बहुत सी बातें समझ में नहीं आतीं। अन्य विशेषज्ञों ने भी सवाल उठाया कि क्या जेजू एयर विमान के गिरने के लिए पक्षी का टकराना जिम्मेदार था। ऑस्ट्रेलियाई विमानन सलाहकार ट्रेवर जेन्सेन ने भी रॉयटर्स को बताया कि आपातकालीन सेवाएं आम तौर पर बेली लैंडिंग के लिए तैयार की जाती हैं, जिससे यह दुर्घटना अधिक अप्रत्याशित प्रतीत होती है। विमानन विशेषज्ञ और इटली की वायु सेना अकादमी के पूर्व शिक्षक ग्रेगरी एलेगी ने इस बाबत कई सवाल भी उठाए हैं जैसे विमान इतनी तेजी से क्यों जा रहा था? फ़्लैप खुले क्यों नहीं थे? लैंडिंग गियर नीचे क्यों नहीं था?

सिर्फ CAT पास करने से नहीं मिलता IIM में एडमिशन

19 दिसंबर को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM), कलकत्ता ने कॉमन एडमिशन टेस्ट यानी CAT 2024 का रिजल्ट जारी कर दिया है। स्कोर के जरिए IIMs और 86 नॉन-IIM इंस्टीट्यूट्स में एडमिशन मिलेगा।

हालांकि IIM जैसे अग्रणी मैनेजमेंट संस्थान सिर्फ CAT के स्कोर के आधार पर एडमिशन नहीं देते। CAT के स्कोर के अलावा, रिटन एग्जाम और इंटरव्यू भी देना होता है। इनके अलावा सभी IIM के कुछ क्राइटेरिया होते हैं, जिनके आधार पर CAT पास करने वाले कैंडिडेट्स को सिलेक्शन मिलता है।

CAT स्कोर के आधार पर IIM, कैंडिडेट्स को रिटेन टेस्ट और पर्सनल इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट करते हैं। हालांकि इस स्क्रीनिंग में एकेडमिक रिकॉर्ड्स, एक्सपीरियंस और दूसरे फैक्टर्स भी देखे जाते हैं। सभी IIM संस्थानों का एडमिशन का क्राइटेरिया अलग है लेकिन कुल मिलाकर IIM में एडमिशन के लिए कैंडिडेट्स को एक होलिस्टिक यानी ओवरऑल प्रोफाइल मेंटेन करनी होती है।

सारे फैक्टर्स को लेकर पुराने IIM और नए यानी 'बेबी IIM' कैंडिडेट्स की स्क्रीनिंग अलग-अलग तरह से करते हैं-**CAT स्कोर:** CAT का स्कोर सभी IIM में एडमिशन के लिए सबसे जरूरी क्राइटेरिया है। इस कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम से कैंडिडेट्स की क्वांटिटेटिव एबिलिटी, वर्बल एबिलिटी, रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन, डेटा इंटरप्रिटेशन और लॉजिकल रीजनिंग जैसी क्षमताएं आंकी जाती हैं। पुराने IIM संस्थानों में आम तौर पर जनरल कैटेगरी में CAT स्कोर 99 परसेंटाइल या उससे भी ज्यादा का कट-ऑफ होता है। वहीं बेबी IIM का कट-ऑफ करीब 85 से 94 तक रहता है। मतलब, इस मामले में नए IIM में एडमिशन लेना कुछ आसान कहा जा सकता है।

एकेडमिक परफॉर्मेंस: IIM कैंडिडेट्स को 10वीं से लेकर 12वीं और फिर ग्रेजुएशन में मिले मार्क्स के आधार पर रिटेन टेस्ट और इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट करते हैं। नए IIM में एडमिशन के लिए भी बेहतर एकेडमिक परफॉर्मेंस जरूरी है।

IIM बेंगलुरु जैसे संस्थान हर लेवल की एकेडमिक क्वालिफिकेशन को अलग-अलग वेटेज देते हैं। ऐसे कैंडिडेट्स को प्राथमिकता दी जाती है, जिनका ओवरऑल एकेडमिक रिकॉर्ड बेहतरीन होता है।

डाइवर्सिटी फैक्टर:IIM जैसे संस्थान जेंडर डाइवर्सिटी यानी लैंगिक विविधता जैसे कई फैक्टर्स के आधार पर भी कैंडिडेट्स को बोनस पॉइंट देते हैं। खास तौर पर पुराने IIM फीमेल और नॉन-बाइनरी कैंडिडेट्स को एक्स्ट्रा पॉइंट्स देते हैं। इसके अलावा एजुकेशनल बैकग्राउंड भी देखा जाता है। नॉन-इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से आने वाले कैंडिडेट्स को भी कुछ एक्स्ट्रा पॉइंट दिए जाते हैं।

वर्क एक्सपीरियंस: पुराने IIM में एडमिशन के लिए प्रोफेशनल एक्सपीरियंस भी मायने रखता है। मैनेजमेंट या इससे जुड़े सेक्टर्स में 1 से 3 साल के एक्सपीरियंस वाले कैंडिडेट्स को एडमिशन में प्राथमिकता दी जाती है। हालांकि नए IIM संस्थानों में पुराने IIMs की तुलना में वर्क एक्सपीरियंस को कम प्राथमिकता दी जाती है।

रिटेन टेस्ट और पर्सनल इंटरव्यू:CAT स्कोर के आधार पर शॉर्टलिस्ट किए गए कैंडिडेट्स पुराने IIM संस्थानों के रिटेन टेस्ट और नए IIM के एक साथ करवाए जाने वाले रिटेन टेस्ट और इंटरव्यू में बैठते हैं। पुराने IIM संस्थानों में इस टेस्ट और इंटरव्यू को नए IIM की तुलना में ज्यादा वेटेज दी जाती है। फाइनल सिलेक्शन में इसका बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि अलग-अलग IIM में एडमिशन के क्राइटेरिया में कुछ और अंतर भी हो सकते हैं। इसके लिए कैंडिडेट्स को IIM संस्थानों की ऑफिशियल वेबसाइट देखनी चाहिए।

सालों से आंतों में जमी गंदगी होगी साफ

स्वास्थ्य की सही शुरुआत होती है साफ आंतों से। अगर आपके पेट में चिपकी गंदगी लंबे समय तक रह जाए, तो यह न केवल पाचन को खराब करती है बल्कि कई बीमारियों का कारण बनती है। लेकिन चिंता न करें, इसका समाधान आपकी रसोई में ही मौजूद है - धनिया का पानी।

धनिया का पानी क्यों है फायदेमंद?- धनिया में मौजूद प्राकृतिक गुण आंतों की गंदगी को साफ करने में मदद करते हैं। यह शरीर को डिटॉक्स करता है और पेट की सेहत को बेहतर बनाता है।

धनिया के पोषक तत्व:

फाइबर: पाचन में सुधार करता है।

एंटीऑक्सीडेंट्सः शरीर से विषैले तत्व बाहर निकालते हैं।

विटामिन सी और के: इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।

एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण: सूजन को कम करते हैं।

धनिया का पानी बनाने का सही तरीका

सामग्री:

1 गिलास पानी

1 चम्मच धनिया के बीज

स्वादानुसार नींबू का रस (वैकल्पिक)

तरीका: रातभर एक गिलास पानी में

धनिया के बीज भिगोकर रखें।

सुबह इस पानी को छान लें। इसे खाली पेट धीरे-धीरे पीएं।

धनिया का पानी पीने के फायदे

आंतों की सफाई: पेट की गंदगी और टॉक्सिन्स को निकालता है।

पाचन में सुधारः गैस, अपच और कब्ज से राहत देता है।

मोटापा कम करने में मदद: मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है।

त्वचा में निखार: शरीर से विषैले तत्व बाहर निकालकर त्वचा को हेल्दी बनाता है।

इम्यूनिटी बूस्ट: संक्रमण से लड़ने की ताकत बढ़ाता है।

धनिया का पानी पीने का सही समय- धनिया का पानी सुबह खाली पेट पीना सबसे फायदेमंद है। इससे पेट की सफाई और पाचन तंत्र की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

जरूरी सावधानियां-इसे अधिक मात्रा में न पिएं। गर्भवती महिलाएं और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोग डॉक्टर से सलाह लेकर ही इसका सेवन करें। नियमितता बनाए रखें, लेकिन संतुलन के साथ।

सर्दी में रोज पिएं एक गिलास नारियल का दूध

नारियल के दूध में एंटीऑक्सीडेंट्स समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि कोकोनट मिल्क को सेहत के लिए वरदान माना जाता है। अगर आप रेगुलरली नारियल का दूध पीना शुरू कर देंगे, तो आपकी ओवरऑल हेल्थ पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं। आइए ऐसे ही कुछ कमाल के फायदों के बारे में जानते हैं।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम-रोजाना नियम से नरियल का दूध पीने से आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक बूस्ट कर सकते हैं। सर्दियों में खुद को बार-बार बीमार पड़ने से बचाने के लिए आप एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीफंगल गुणों से भरपूर कोकोनट मिल्क पीना शुरू कर सकते हैं। डायबिटीज पेशेंट्स के लिए भी नारियल के दूध को फायदेमंद माना जाता है। आपको बता दें कि कोकोनट मिल्क ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकता है।

वेट लॉस में कारगर-क्या आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको नारियल के दूध को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। कोकोनट मिल्क आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर शरीर में जमा एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने में असरदार साबित हो सकता है। इतना ही नहीं नारियल के दूध में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपकी गट हेल्थ को भी काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं।

त्वचा के लिए भी फायदेमंद-नारियल का दूध पीना न केवल आपकी सेहत के लिए बल्कि आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है। कोकोनट मिल्क एजिंग साइन्स को कम करने में कारगर साबित हो सकता है। इसके अलावा कोकोनट मिल्क में पाए जाने वाले तत्व आपकी स्किन को मॉइश्चराइज्ड और ग्लोइंग बनाए रखने में भी मददगार साबित हो सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में वन विभाग की अनूठी पहल

संस्कृति और आध्यात्मिकता का संगम

नसीम/चन्द्रवंशी

छत्तीसगढ़ राज्य में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग ने पर्यावरण परिक्रमा पथ की अनूठी पहल की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की प्रेरणा और वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विकसित यह पथ पर्यावरण संरक्षण, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक धरोहर का उत्कृष्ट संगम बन गया है। पर्यावरण परिक्रमा पथ के अंतर्गत डोंगरगढ़ के पहाड़ी वनों में स्थापित यह पथ लगभग 133 हेक्टेयर में फैला हुआ है और मां बम्लेश्वरी मंदिर, प्रज्ञागिरी बौद्ध स्थल तथा जैन तीर्थ केंद्र जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों को जोड़ता है। यह परियोजना न केवल जैव विविधता के संरक्षण और पर्यटकों के लिए आध्यात्मिक और सांस्कृतिक का भी संगम है। वन विभाग ने इस क्षेत्र की विशिष्टता को बढ़ाने के लिए कई सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण दैव वृक्षों (पवित्र पेड़ों) को लगाया। इनमें बरगद, कल्पवृक्ष, पीपल, कपूर, नीम, रुद्राक्ष, बेल, चंदन, महुआ, कुसुम, पारिजात, चंपा, बांस, आंवला, हर्रा, बहेड़ा और रामफल जैसे पेड़ शामिल हैं। इस परिक्रमा पथ की आध्यात्मिकता को और समृद्ध करने के लिए छत्तीसगढ़ के लोगों द्वारा पूजे जाने वाले 31 देवी-देवताओं की प्रतीकात्मक मूर्तियाँ भी पर्यावरण परिक्रमा पथ पर स्थापित की गई हैं, जिनमें ताला गांव के रुद्र शिव, बारसूर के श्री गणेश जी, गंडई की मां नर्मदा माता, साजा की मां महामाया, धमतरी की मां अंगार मोती, अमलेश्वर की मां पीतांबरा, रतनपुर की मां महामाया, दंतेवाड़ा की मां दंतेश्वरी, डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी देवी, महासमुंद की मां खल्लारी माता, नारायण-पुर की मां मावली माता, जांजगीर चांपा की मां महाकाली अड़भार, गरियाबंद की मां घाटमई घटा रानी, झलमला की मां गंगा मइया, भोरमदेव के श्री महाकाल भैरव, बलौदाबाजार के जोगीडीपा की मां चंडी दाई, बागबहरा की मां चंडी माता, धमतरी की मां बिलईमाता, जांजगीर-चांपा की मां चंद्रहासिनी और शिवरीनारायण की मां अन्नपूर्णा माता शामिल हैं। ये मूर्तियाँ छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक हैं और प्रकृति के संगम के साथ आगंतुकों के लिए एक अद्वितीय आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुभव को सजीव करती हैं। यह पथ अपने अद्वितीय निर्माण के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। इसमें चट्टानी मार्ग, कांक्रिट सीढ़ियां, सोलर लाइटिंग और कोलकाता के हावड़ा ब्रिज की तर्ज पर निर्मित पुल शामिल हैं। बड़ी चट्टानों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े चित्रों से सजाया गया है, जो क्षेत्र की सुंदरता को और बढ़ाते हैं। वन विभाग ने इस क्षेत्र को संरक्षित करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं।

चेन-लिंक बाड़बंदी, मृदा संरक्षण और गैप प्लांटेशन जैसी योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में वन ह्रास को रोका गया है। इसके परिणामस्व-रूप यह क्षेत्र जंगली सूअर, खरगोश, सरीसृप और विभिन्न पक्षी प्रजातियों का सुरक्षित निवास स्थल बन गया है। इस परियोजना का प्रबंधन ग्राम वन सुरक्षा समिति रजकट्टा द्वारा किया जाता है। समिति स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार प्रदान करती है और मात्र 10 रुपये का प्रवेश शुल्क एकत्र करती है। इन फंडों का उपयोग संरक्षण कार्यों और सामुदायिक कल्याण के लिए किया जाता है। एक स्थानीय महिला सदस्य, ईश्वरी नेताम ने बताया, इस परियोजना ने हमें आजीविका के अवसर प्रदान किए हैं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है।

अखुरथ गणेश चतुर्थी व्रत से जीवन में आती है सुख-समृद्धि

प्रज्ञा पांडेय

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गणेश चतुर्थी का व्रत रखने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस दिन व्रत रखें, दिनभर निराहार रहें और भूखे रहना संभव न हो तो फलाहार करें। शाम को चंद्रमा को अर्घ्य दें और गणेश पूजन करके व्रत पूरा करें।आज अखुरथ गणेश चतुर्थी व्रत है, संकष्टी के दिन गणपति की पूजा करने से घर से नकारात्मक प्रभाव दूर होते हैं और घर की सारी विपदाएं दूर हो जाती हैं तो आइए हम आपको अखुरथ गणेश चतुर्थी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

18 दिसंबर को पौष मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी है। इस दिन गणेश चतुर्थी व्रत किया जाएगा। इस दिन भक्त दिनभर निराहार रहते हैं, भगवान गणेश की विशेष पूजा करते हैं। भगवान की कथाएं पढ़ते-सुनते हैं और शाम को चंद्र दर्शन के बाद चंद्र पूजा और गणेश पूजा करके व्रत पूरा करते हैं। बुधवार और गणेश चतुर्थी के योग में भगवान गणपति के साथ ही बुध ग्रह के लिए भी विशेष पूजा-पाठ करनी चाहिए। संकष्टी चतुर्थी भगवान गणेश को समर्पित पर्व है। पंडितों के अनुसार इस दिन भगवान गणेश की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करने से सारी दुख-परेशानियां दूर होती हैं और जीवन में सुख समृद्धि बनी रहती है।

अखुरथ गणेश चतुर्थी व्रत से जुड़ी ये बातें रखें ध्यान-धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गणेश चतुर्थी का व्रत रखने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस दिन व्रत रखें, दिनभर निराहार रहें और भूखे रहना संभव न हो तो फलाहार करें। शाम को चंद्रमा को अर्घ्य दें और गणेश पूजन करके व्रत पूरा करें। इस दिन जरूरतमंद लोगों को ऊनी कपड़े, भोजन और दक्षिणा दान करें। गणेश चतुर्थी पर पूरे परिवार के साथ गणेश पूजा करने से घर में सुख-शांति और एकता बनी रहती है।

अखुरथ गणेश चतुर्थी व्रत पर ऐसे करें पूजा-हिन्दू धर्म में अखुरथ गणेश चतुर्थी का खास महत्व है इसलिए गणेश चतुर्थी व्रत के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर के सामने दीपक और धूप जलाएं। भगवान गणेश को जल, दूध, पंचामृत अर्पित करें। हार-फूल और वस्त्रों से श्रृंगार करें। दूर्वा (दूब), लाल फूल, मोदक, गुड़ और नारियल चढ़ाएं। ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र का जप करें। गणपति को दूर्वा की 21 गांठ चढ़ानी चाहिए। संकष्टी चतुर्थी के दिन आप शुभ मुहूर्त में भगवान गणेश की पूजा करें। तिल के लड्डू और मोदक का भोग भगवान गणेश को लगाएं, ये दोनों ही चीजें विघ्नहर्ता को अति प्रिय हैं। इसके अलावा व्रती लोग व्रत शुरू करने से पहले व्रत का संकल्प जरूर करिए और सूर्यास्त के बाद पारण करें। इस दिन आप पूरा समय भजन कीर्तन करके भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

जानें पौष मास जुड़ी कुछ खास बातें-पौष मास हिन्दी पंचांग का दसवां महीना है। इस मास में सूर्य देव की विशेष पूजा करने की परंपरा है। इस माह में रोज सुबह सूर्योदय के समय स्नान करके सूर्य को अर्घ्य देते हैं। सूर्य से जुड़ा ये महीना धर्म लाभ के साथ स्वास्थ्य लाभ भी देता है। पौष मास में योग, ध्यान और साधना करने का विशेष महत्व है। इस मास में व्रत, दान और पूजा-पाठ के साथ ही गीता, भागवत, रामायण आदि ग्रंथों का पाठ करना चाहिए।

अखुरथ गणेश संकष्टी चतुर्थी व्रत पर करें ये उपाय, मिलेगा लाभ-आज 18 दिसंबर 2024 को पौष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि, संकष्टी चतुर्थी व्रत और बुधवार है। भगवान गणेश की विधि विधान से पूजा करने के बाद आप उन्हें 11 जोड़े दूर्वा जरूर अर्पित करें। आपको दूर्वा चढ़ाते समय 'इदं दूर्वादलं ॐ गं गणपतये नमः' मंत्र का जाप करते रहना है। इस उपाय से भगवान गणेश शीघ्र ही प्रसन्न होंगे और आपकी मनोकामना को पूर्ण करेंगे। अगर आप भगवान गणेश को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो गणाधिप संकष्टी चतुर्थी के दिन उनके पूजन में शमी की पत्तियां भी अर्पित करें। इसके अलावा इस दिन शमी के पेड़ की पूजा करने से भी लाभ मिलता है। आज गणपति जी को सिंदूर चढ़ाएं और फिर उन्हें गेंदे के फूल अर्पित करें, इससे धन की समस्या का समाधान होता है। संकष्टी चतुर्थी के दिन गाय के घी में सिंदूर मिलाकर दीपक जला लें, फिर इस दीपक को भगवान गणेश के सामने रख दें और भग्वांगणेश को इस दिन गेंदे का फूल अर्पित करें। केले के पत्ते को अच्छी तरह साफ कर के उसपर रोली चन्दन से त्रिकोण की आकृति बना लें. फिर केले के पत्ते को पूजा स्थल पर रखकर इसके आगे दीपक रख दें। इसके बाद त्रिकोण की आकृति के बीच में मसूर की दाल और लाल मिर्च रख दें। इसके बाद अग्ने सखस्य बोधि नः मंत्र का जाप करें।

महतारी वंदन योजना से वनांचल की महिलाएं हो रही सशक्त

महतारी वंदन योजना ने वनांचल क्षेत्र की महिलाओं के जीवन में एक नया उजाला लाया है। ग्रामीण इलाकों में रोजगार की कमी और सीमित संसाधनों के बीच जीवन यापन करना कठिन था। इस योजना के माध्यम से उन्हें आर्थिक संबल मिला है, जिससे उनका जीवन बेहतर हुआ है और महिलाओं का आत्मनि-र्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है। कोरबा जिले के सुदूर वनांचल और पहाड़ों के बीच बसे ग्राम बोड़ानाला की रहने वाली श्रीमती सुखमत और श्रीमती राजकुमारी मंझवार का जीवन पहले कई कठिनाइयों से घिरा हुआ था। संसाधनो के अभाव और आर्थिक तंगी ने उनके रोजमर्रा के जीवन को चुनौतीपूर्ण बना दिया था। महतारी वंदन से मिलने वाली आर्थिक सहायता ऐसे परिवार के लिए एक वरदान साबित हुई है, जिसने न केवल उनके जीवन को सरल बनाया, बल्कि उनके परिवार को भी एक नई दिशा दी। अब वह खुद को आत्मनिर्भर महसूस करती हैं। हितग्राही श्रीमती सुखमत मंझवार ने योजना से मिल रहे लाभ के सुखद अनुभव को साझा करते हुए बताया कि परिवार की आमदनी के नियमित और स्थिर स्रोत नहीं होने के कारण उनके दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने की समस्या सदैव बनी रहती थी, जिससे आर्थिक संकट की समस्या निरंतर उनके परिवार को घेरे रहता था। उनके गांव की खेती जमीन डुबान में चले जाने से खेती की संभावना भी नहीं रह गयी थी, उनके पति रोजी-मजदूरी कर परिवार का गुजारा चलाते थे। जब महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें वित्तीय सहायता मिलने लगी, तो उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आया। इस योजना से मिलने वाली राशि ने उनके घरेलू खर्चों को पूरा करना आसान बना दिया। अब वह न केवल परिवार के खर्चों को सहजता से पूरा कर पाती हैं, बल्कि अपने परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त भी बना रही हैं। इसी प्रकार लाभार्थी श्रीमती राजकुमारी मंझवार ने बताया कि महतारी वंदन योजना ने महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त किया है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी नई ऊँचाइयाँ दी हैं। इस योजना ने वनांचल क्षेत्र की महिलाओं को एक नई दिशा दी है, जिससे वे न केवल अपनी बल्कि अपने परिवार की भी खुशहाली के लिए सक्षम बन रही हैं। योजना के माध्यम से एक हजार रुपये की वित्तीय सहायता हर माह मिलने से श्रीमती राजकुमारी अपने भविष्य के लिए निश्चिन्त रहती है। दैनिक जरूरतों, घरेलू उपभोग की चीजों की पूर्ति के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, वह स्वयं आवश्यक उपयोगी चीजों की पूरा करने में सक्षम बन गई है। गौरतलब है कि उक्त योजना का शुभारंभ 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। राज्य की लगभग 70 लाख हितग्राही महिलाओं को हर माह एक हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है। मार्च से लेकर दिसम्बर तक हितग्राही महिलाओं को 10 मासिक किश्तों में 6530 करोड़ 41 लाख रूपए की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है।

हम मकान नहीं
घर बनाते हैं

रुचि कंस्ट्रक्शन

नया बस स्टैण्ड, बालोद

अनुभवी आर्किटेक्ट/इंजीनियर के मार्गदर्शन में रेसीडेन्सियल
व कमर्शियल भवन निर्माण कार्य किया जाता है

निर्माण कार्य कराने के लिए संपर्क करें

9893162815,9406208242

बिजली फिटिंग कार्य
के लिए संपर्क करें

9752420015 ,9893259555